दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। मंगलवार 10 फरवरी -2026 | ● वर्ष : 11 अंक : 52 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

शरद पवार की तबीयत बिगड़ी, पुणे के रूबी अस्पताल में कराया गया भर्ती

नई दिल्ली। एनसीपी (एसपी) के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें पुणे के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्हें बारामती के गोविंदबाग में उनके घर से कार्डियक एम्बुलेंस के काफिले में पुणे ले जाया गया है।

पवार को पिछले कुछ दिनों से खांसी, कफ और सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। इसलिए, सुबह से ही गोविंदबाग में डॉक्टरों की एक टीम ने उनकी जांच की। करीब एक घंटे तक मेडिकल जांच के बाद, उन्हें आगे के इलाज के लिए पुणे के एक प्राइवेट अस्पताल रूबी हॉल में भर्ती होने की सलाह दी गई।

हाल ही में उनकी सेहत खराब हो गई थी। पिछले कुछ महीनों में उन्होंने कई पब्लिक इवेंट्स में जाने से परहेज किया था। हालांकि, अजीत पवार की अचानक मौत के बाद वह फिर से लोगों के संपर्क में आए। पिछले हफ्ते वे लगातार कुछ दिनों तक कई लोगों से मिले और राज्य भर के नेताओं और कार्यकताओं से बातचीत की।

पवार की पुणे अस्पताल में चल रही जांच : कहा जाता है कि इन लगातार मीटिंग और दबाव के कारण वे बहुत थका हुआ महसूस करने लगे थे। पवार को फिलहाल मास्क पहनाकर एक अलग गाड़ी में पुणे ले जाया गया है, जहां उनकी जांच और इलाज किया जाएगा।

कार्यकर्ताओं और समर्थकों में चिंता : जैसे ही शरद पवार की तबीयत बिगड़ने की खबर सामने आई, एनसीपी के कार्यकताओं और समर्थकों में चिंता की लहर दौड़ गई। हर कोई उनके जल्द स्वस्थ होने की दुआ कर रहा है।

फिलहाल उनकी तबीयत बिगड़ने का कारण बुखार और गले में संक्रमण होना बताया जा रही है। अभी आधिकारिक जानकारी की प्रतीक्षा की जा रही है।

तीन बहनों की मौत, आत्महत्या या पिता की साजिश?

पिता चेतन के विरोधाभासी बयान, जब्त मोबाइल और परिवार के खुलासों से जांच को मिलेगा अहम मोड़

निशिका पाखी प्राची

गाजियाबाद, करंट क्राइम : गाजियाबाद के टीलामोड़ थानाक्षेत्र में छत से कूदकर जान देने वाली तीन सगी बहनों के मामले में जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे आत्महत्या की थ्योरी पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। पुलिस की प्रारंभिक जांच जहां इसे सुसाइड का मामला मानकर चल रही थी, वहीं अब मृतक बच्चियों के पिता चेतन के बयानों में सामने आए विरोधाभास ने पूरे केस को उलझा दिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, चेतन ने पूछताछ के दौरान एक ही विषय पर दो अलग-अलग बयान दिए, जिससे उसकी भूमिका संदेह के घेरे में आ गई है।

यही नहीं, बच्चियों के मोबाइल फोन जब्त कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिए गए हैं, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि वे किन ऐप्स, वीडियो, गेम्स और चैट्स से जुड़ी थीं। भारत सिटी इलाके में 12, 14 और 16 साल की तीन सगी बहनों ने कथित तौर पर नौवीं मंजिल से कूदकर जान दे दी जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी। पुलिस जांच में सामने आया कि बहनें मोबाइल और कथित ऑनलाइन गेम और कोरियन कल्चर से काफी प्रभावित थीं और परिवार के फोन छीन लेने और गेम खेलने पर रोक लगाने के बाद घर में तनाव बढ़ गया था। कमरे से एक सुसाइड नोट और डायरी भी मिली, जिसमें उन्होंने माता-पिता से माफी मांगते हुए लिखा कि वे गेम नहीं छोड़ पा रही थीं। शुरूआती पोस्टमार्टम और जांच में मौत का कारण ऊंचाई से गिरने से लगी चोटें बताया गया है, जबकि पुलिस डिजिटल सबूत, पारिवारिक परिस्थितियों और मानसिक तनाव सहित सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

कोरियन गेम थ्योरी बनाम पारिवारिक हकीकत

करंट क्राइम : परिवार की ओर से पहले यह दावा किया गया था कि बच्चियां कोरियन गेम, कोरियन पहनावे, भाषा और मोबाइल की दुनिया में इस कदर डूबी हुई थीं कि इसी कारण उन्होंने आत्मघाती कदम उठाया। लेकिन दूसरी ओर, चेतन की पत्नियों और दिल्ली के सीलमपुर में रहने वाली सास के बयान इस कहानी से मेल नहीं खाते। परिवार के सदस्यों ने चेतन के व्यवहार, जीवनशैली और बच्चियों पर लगाए गए प्रतिबंधों को लेकर कई चौंकाने वाले तथ्य सामने रखे हैं।

पुलिस की जांच अब इन सवालों के इर्द-गिर्द घूम रही है—

- चेतन बच्चियों को शादी की धमकी क्यों देता था?
- वह बच्चियों को मोबाइल से पूरी तरह दूर क्यों रखना चाहता था?
- बच्चियों को स्कूल क्यों नहीं भेजा जा रहा था?
- यदि आर्थिक तंगी थी, तो चेतन ने अपनी लाइफ-स्टाइल में बदलाव क्यों नहीं किया?
- बच्चियों के मानसिक हालात को लेकर कभी काउंसलिंग या मदद क्यों नहीं ली गई?

क्या सुसाइड थ्योरी टूटेगी?

करंट क्राइम : हालांकि पुलिस अभी आधिकारिक रूप से इसे आत्महत्या का मामला मान रही है, लेकिन जिस तरह से डिजिटल सबूत, बयान और पारिवारिक विरोधाभास सामने आ रहे हैं, उससे यह केस साधारण सुसाइड से आगे बढ़ता नजर आ रहा है।अब सबकी निगाहें मोबाइल की फॉरेंसिक रिपोर्ट और चेतन से होने वाली अगली पूछताछ पर टिकी हैं, जो यह तय करेगी कि यह मामला आत्महत्या था या इसके पीछे कोई दबी हुई, अनकही सच्चाई छिपी है।

जिस नोएडा को लेकर माना जाता था एक मिथक और अंधविश्वास उसी धरती से करेगी समाजवादी पार्टी चुनावी रण का शंखनाद

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनीति में विकास की बातें होती है, राजनीति में समीकरण तय होते हैं, राजनीति में चेहरे तय होते हैंलेकिन राजनीति में कई बार कुछ टोटके भी माने जाते हैं। कई बार ये हिट भी हो जाते हैं और कई बार ये टोटके पिट भी जाते हैं। कुछ मिथक ऐसे होते हैं जो लम्बे समय तक चलते हैं और फिर समय के साथ ये मिथक फेल भी हो जाते हैं। नोएडा को लेकर राजनीति का एक अंधविश्वास अब टूट रहा है। पहले यह मिथक था कि जो भी मुख्यमंत्री नोएडा जाता है वो चुनाव हार जाता है। इतिहास बताता है कि कई मुख्यमंत्री इस डर से नोएडा नहीं गये। लेकिन महंत योगी आदित्यनाथ ने इस मिथक को तोड़ा और वो नोएडा भी गये। मिथक पूरे एलान वाले अंदाज में टूटा जब योगी आदित्यनाथ नोएडा भी गये और वो अगला चुनाव भी जीते और मुख्यमंत्री भी बन गये। मिथक को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तोड़ा है और अब रिपीट अंदाज में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव आ रहे हैं। अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हैं और वो समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हैं। सूत्र बताते हैं कि नोएडा वाले मिथक को तोड़ने अखिलेश यादव आ रहे हैं। सूत्रों की मानें तो 28 फरवरी को अखिलेश यादव दादरी विधानसभा में आयेंगे। दादरी नोएडा क्षेत्र में आता है और ये माना जा रहा है कि दादरी की धरती से समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव चुनावी शंखनाद करेंगे। वो नोएडा वाले अपशकुन मिथक को भी तोड़ेंगे और जिस धरती से अंधविश्वास का संदेश जाता था अब समाजवादी पार्टी वहां से अपना चुनाव शंखनाद करेगी। सूत्र बताते हैं कि पहले यहां गुर्जर समाज की सभा होनी थी। अब इस सभा को सम्मेलन में बदला गया है। और इस सम्मेलन में ही समाजवादी पार्टी चुनावी शंखनाद कर सकती है। बड़ी बात ये है कि यहां समाजवादी पार्टी एक संदेश देगी और वो चुनावी रण की शुरूआत करेगी।

कभी गाजियाबाद में साईकिल चलाकर मुख्यमंत्री बन गये थे अखिलेश यादव

करंट क्राइम। अखिलेश यादव का गाजियाबाद से नाता है। यहां से आंकड़े बताते हैं कि सपा भले ही यहां पिछड़ जाती है लेकिन यहां की जमीन अखिलेश यादव को रास आयी है। वर्ष 2012 में उन्होंने चुनावी शंखनाद किया था और उन्होंने गाजियाबाद में साईकिल चलाई थी। 2012 में अखिलेश यादव आये थे और गाजियाबाद से चुनावी अभियान शुरू करते हुए उन्होंने साईकिल रैली निकाली थी। एक तरह से ये कहा जा सकता है कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की राजनीति की शुरूआत गाजियाबाद से हुई थी। उन्होंने वर्ष 2012 में गाजियाबाद में साईकिल चलाई थी आई इसी वर्ष वो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे। समाजवादी पार्टी सत्ता में आई थी।

क्या हो सकती है नये चेहरों की सपा में आमद

करंट क्राइम। दादरी सम्मेलन की बात करें तो इसके सियासी मायने तलाशे जा रहे हैं। ये माना जा रहा है कि अखिलेश यादव दादरी में ऐसे ही नहीं आ रहे हैं। इसकी पूरी रूपरेखा तैयार है और सपा के चुनावी शंखनाद को जिला पंचायत चुनावों से भी जोड़कर देखा जा रहा है। माना जाता है कि समाजवादी पार्टी जिला पंचायत चुनावों को गम्भीरता से ले रही है और वो यहां नीले हाथी को बैकअप प्लान के रूप में लेकर चल रही है। नीला हाथी पहले ही जिला पंचायत वाले चुनावी ट्रैक से दूर रहने का एलान कर चुका है। ऐसे में ये एक रणनीति हो सकती है कि बसपा से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे चेहरों को समाजवादी पार्टी साईकिल पर सवारी करा सकती है। यहां वो हाथी के डीएम समीकरण को अपने पक्ष में जोड़कर जिला पंचायत चुनावों में कुछ बड़ा करने की तैयारी में है। ऐसे में कई चेहरों की समाजवादी ज्वाईनिंग की चर्चा चल रही है।

इंदिरापुरम थाने का जल्द होगा उद्घाटन

जल्द पूरा होने वाला है काम, डीसीपी ने जाने इंतजाम

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत थानों के अपग्रेडेशन का कार्य लगातार तेजी से जारी है। इसी क्रम में इंदिरापुरम थाना अब पूरी तरह से आधुनिक और हाईटेक स्वरूप में तैयार हो रहा है। निर्माण कार्य पूर्ण होने के दौरान सोमवार को डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष दशरथ पाटिल ने एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव, निर्माण एजेंसी और पुलिस अधिकारियों के साथ थाना परिसर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीसीपी ट्रांस हिंडन ने थाने की व्यवस्थाओं, सुविधाओं और आधुनिक ढांचे का जायजा लिया और उद्घाटन को लेकर रणनीति पर भी चर्चा की गई। पुलिस अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं साहिबाबाद विधायक सुनील शर्मा जल्द ही इंदिरापुरम थाने का विधिवत उद्घाटन करते हुए फीता काटेंगे।

आधुनिक अदांज में बन रहा है थाना

करंट क्राइम : गौरतलब है कि साहिबाबाद और शालीमार गार्डन लिंक रोड थानों के बाद अब इंदिरापुरम थाना भी अपग्रेड होकर आधुनिक स्वरूप में तैयार किया गया है। पुलिस कमिश्नरेट के ट्रांस हिंडन जोन के अंतर्गत सबसे पहले साहिबाबाद थाने का रिनोवेशन किया गया था, इसके बाद शालीमार गार्डन थाना नए लुक में सामने आया, जबकि लिंक रोड थाना भी तेजी से निमार्णाधीन है। इंदिरापुरम थाने को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है। यहां अधिकारियों के लिए आरामदायक कक्ष, शीशे के फ्रेम वाला आकर्षक आगंतुक कक्ष, नया और अपग्रेडेड मुंशी रूम, पुलिस कर्मियों के लिए बेहतर कार्यालय कक्ष, साफ-सुथरा वेटिंग एरिया बन रहा है। तो थाने के मुख्य गेट से लेकर पूरे परिसर को आधुनिक डिजाइन में विकसित किया गया है। थाने के इस नए स्वरूप से न केवल पुलिसकर्मियों को बेहतर कार्य वातावरण मिलेगा, बल्कि आम नागरिकों को भी सुविधाजनक, सुरक्षित और सकारात्मक माहौल का अनुभव होगा।

अब पुलिस के वाहन और अधिकारी भी एआई कैमरों की जद में, नियम तोड़ने पर कटेगा ऑटोमेटिक चालान

गाजियाबाद, करंट क्राइम : नगर निगम का बहुप्रतीक्षित और ड्रीम प्रोजेक्ट इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम जैसे ही पूरी तरह लागू होगा, शहर की सड़कों पर ट्रैफिक निगरानी का दायरा और सख्त हो जाएगा। इस अत्याधुनिक व्यवस्था के तहत अब पुलिस के वाहन, पुलिसकर्मी, अधिकारी और अन्य सरकारी वाहन भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कैमरों की निगरानी में रहेंगे। नियमों का उल्लंघन करने पर ऑटोमेटिक ई-चालान जारी किया जाएगा, जिसमें किसी को भी छूट नहीं मिलेगी।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, आईटीएमएस सिस्टम लागू होने के बाद दिल्ली की तर्ज पर गाजियाबाद में भी पूरी तरह ऑटोमेटिक चालान व्यवस्था प्रभावी होगी। हाईटेक एआई कैमरे रेड लाइट जंप, ओवरस्पीडिंग, गलत लेन में वाहन चलाना, बिना हेलमेट और सीट बेल्ट जैसे उल्लंघनों को स्वतः रिकॉर्ड करेंगे। इसमें पुलिस वाहन या सरकारी वाहन भी सिस्टम से बाहर नहीं होंगे।

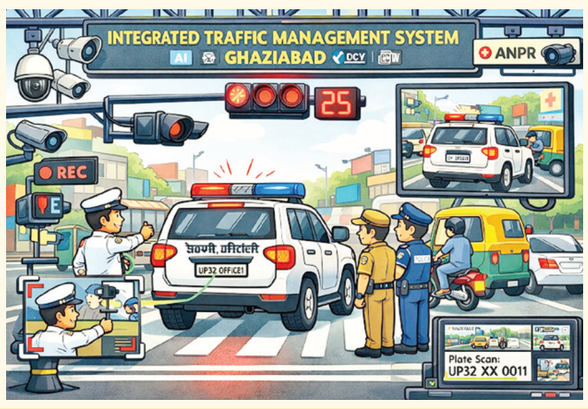

आईटीएमएस से सुधरेगा ट्रैफिक और घटेगा अपराध

करंट क्राइम : अधिकारियों का मानना है कि आईटीएमएस लागू होने के बाद ट्रैफिक अनुशासन में सुधार, दुर्घटनाओं में कमी और अपराध नियंत्रण में बड़ी मदद मिलेगी। साथ ही यह सिस्टम शहर को स्मार्ट सिटी की दिशा में एक मजबूत कदम साबित होगा।

41 प्रमुख चौराहों पर रहेगी एआई की कड़ी नजर

करंट क्राइम : गाजियाबाद शहर के करीब 41 प्रमुख और व्यस्त चौराहों पर इस प्रणाली के तहत 800 से अधिक अत्याधुनिक एआई कैमरे लगाए जा रहे हैं। इन कैमरों के जरिए न केवल ट्रैफिक नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा, बल्कि अपराध नियंत्रण, संदिग्ध गतिविधियों की पहचान और ट्रैफिक प्रबंधन को भी बेहतर बनाया जाएगा। हालांकि इस पूरी योजना के संचालन में निजी एजेंसी की भूमिका को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। यह चर्चा तेज है कि जब सिस्टम निजी हाथों से संचालित होगा, तो पुलिसकर्मियों या सरकारी वाहनों द्वारा नियम तोड़े जाने पर कार्रवाई किस स्तर तक और किस प्रक्रिया से होगी। इस पर आमजन की निगाहें टिकी हुई हैं।

दो अत्याधुनिक कंट्रोल रूम से होगी मॉनिटरिंग

करंट क्राइम : आईटीएमएस को प्रभावी बनाने के लिए गाजियाबाद में दो बड़े कमांड एंड कंट्रोल सेंटर स्थापित किए गए हैं। पहला कंट्रोल रूम नगर निगम के सभागार में बनाया गया है, जहां से पूरे सिस्टम की मॉनिटरिंग और डेटा एनालिसिस किया जाएगा। वहीं दूसरा कमांड एंड कंट्रोल सेंटर पुलिस कार्यालय में स्थापित किया गया है, जहां से ट्रैफिक पुलिस और सिविल पुलिस संयुक्त रूप से ट्रैफिक व्यवस्था और अपराध नियंत्रण की निगरानी करेंगी। इस मामले में पुलिस अधिकारियों का साफ कहना है कि नियम सभी के लिए समान हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार आईटीएमएस के तहत नियमों का उल्लंघन करने वाले सभी प्रकार के वाहनों और वाहन चालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी, चाहे वह किसी भी विभाग, पद या स्तर का क्यों न हो।

बंगाल एसआईआर मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त

अंतिम मतदाता सूची जारी करने का समय बढ़ाया, डीजीपी से मांगा हलफनामा

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में इस साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करा रहा है। मतदाता सूची से जुड़ा यह विवाद सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। कोर्ट ने आज इस मामले में अहम दिशा-निर्देश दिए। चीफ जस्टिस ने एसआईआर की समयसीमा बढ़ाने का भी निर्देश दिया। सीजेआई सूर्यकांत की पीठ ने कहा कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की डेडलाइन एक सप्ताह और बढ़ाई जा रही है।

डेडलाइन एक सप्ताह बढ़ाई गई

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, निर्वाचन आयोग को पश्चिम बंगाल एसआईआर प्रक्रिया के बाद फाइनल वोटर लिस्ट पब्लिश करने के लिए और समय दिया जा रहा है। एसआईआर की डेडलाइन 14 फरवरी से एक हफ्ते आगे बढ़ाई जा रही है।

सीजेआई सूर्यकांत की टिप्पणी

पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया को आसान बनाने और चिंताओं के समाधान के लिए कोर्ट अंतरिम निर्देश जारी कर रही है। राज्य सरकार सुनिश्चित करे कि सभी 8,555 ग्रुप बी अधिकारी, जिनकी सूची आज सौंपी गई है, शाम 5 बजे तक जिला चुनाव अधिकारियों (डीआरओ) को रिपोर्ट करें। चुनाव आयोग (ईसीआई) के पास मौजूदा ईआरओ और एईआरओ को बदलने और योग्य पाए जाने पर अधिकारियों की सेवाओं का उपयोग करने का अधिकार होगा।

तारीख बढ़ाने का आदेश पारित करने से पहले चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया में लगे सभी अधिकारी जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) को रिपोर्ट करेंगे। कोर्ट ने मुकदमे की सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील को अनुशासन का पाठ भी पढ़ाया। उन्होंने कहा कि सब एक साथ बोल रहे हैं और एक-दूसरे की बात काट रहे हैं, जिससे सुनवाई करना मुश्किल हो रहा है। चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली इस पीठ में जस्टिस जॉयमाल्या बागची और एनवी अंजरिया भी शामिल हैं।

कोर्ट ने इस आधार पर बढ़ाई समयसीमा

माइक्रो ऑब्जर्वर या राज्य सरकार के अधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारी केवल ईआरओ की सहायता करना होगी, क्योंकि अंतिम निर्णय ईआरओ का ही होगा। चूंकि सरकारी अधिकारियों का एक नया समूह शामिल किया गया है, इसलिए प्रभावित व्यक्तियों द्वारा जमा किए गए दस्तावेजों की जांच प्रक्रिया में अधिक समय लगने की संभावना है। इसलिए ईआरओ को जांच पूरी करने और निर्णय लेने के लिए 14 फरवरी के बाद एक सप्ताह का अतिरिक्त समय दिया जाए।

महिला वकील की दलील पर नाराज हुए चीफ जस्टिस सूर्यकांत

दरअसल, ममता बनर्जी की तरफ से पेश वरिष्ठ वकील श्याम दीवान ने कहा, बीते चार फरवरी को अदालत ने नोटिस जारी किया, जिसमें कई टिप्पणियां थीं। बीते हफ्ते में कई बदलाव हुए हैं। इसी बीच सीनियर एडवोकेट मेनका गुरुस्वामी के हस्तक्षेप पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि ये कोई बाजार नहीं है। कोर्ट में अनुशासन और गरिमा बनाए रखें। मेनका गुरुस्वामी ने कहा कि मंदिरों की देखरेख करने वाले एक संगठन ने एक याचिका दायर की है। उनका इस मामले में क्या हित हो सकता है? उनकी इस दलील पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, बारी-बारी से सुनते हैं। अगर अनुशासन बनाए नहीं रखा गया तो आपको चीफ जस्टिस के का स्वभाव पता होना चाहिए। तल्ख लहजे में जस्टिस सूर्यकांत ने पूछा- आप किसी बाजार में बैठे हैं या अदालत में हैं?

कोर्ट की टिप्पणियों पर बिंदुवार एक नजरः

किसी को भी पश्चिम बंगाल में जारी एसआईआर में रुकावट डालने की इजाजत नहीं दी जाएगी।
राज्य सरकार ने चुनाव आयोग को 8,505 ग्रुप इ अधिकारियों की लिस्ट दी है। उन्हें ट्रेनिंग देकर रक्रकी प्रक्रिया में लगाया जा सकता है। चुनाव आयोग के आरोपों पर पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक हलफनामा दाखिल करें।
निर्वाचन आयोग ने फॉर्म 7 (आपत्ति फॉर्म) जलाने का आरोप लगाया है। डीजीपी इस संबंध में जारी कारण बताओ नोटिस का जवाब दें और बताएं कि पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए क्या कदम उठाए हैं।
बदमाशों के खिलाफ अब तक कोई क्रक्रदर्ज नहीं किए जाने का चुनाव आयोग का आरोप चिंताजनक है।
कोर्ट ने इस बात का संज्ञान लिया कि मैनपावर की कमी के कारण चुनाव आयोग को माइक्रो-ऑब्जर्वर्स लगाने पड़े थे। इस पर वकील श्याम दीवान ने कहा, राज्य सरकार ने 8,500 अधिकारियों की व्यवस्था कर ली है। इस पर सीजेआई ने चुनाव आयोग से पूछा कि क्या आपको इन अधिकारियों की सूची मिल गई है? आयोग के वकील ने कहा कि अभी तक कोई नाम नहीं मिला है। पश्चिम बंगाल सरकार की तरफ से पूर्व मुख्य सचिव और वर्तमान प्रधान सचिव मनोज पंत भी कोर्ट में मौजूद रहे। सीजेआई के सवाल पर पंत ने कहा कि 292 ईआरओ (ग्रुप-ए, एसडीएम रैंक) के नाम भेजे गए हैं। कुछ आईएएस भी हैं। कुल 8,525 सहायक ईआरओ हैं। अधिकारियों की सूची में 65 प्रतिशत ग्रुप-बी, 10-12 प्रतिशत ग्रुप-सी और बाकी ग्रुप-ए के अधिकारी हैं। सीजेआई ने आयोग से कहा कि वे एईआरओ बदलने पर विचार करें।
सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से कहा कि आयोग ने कभी ग्रुप-बी अधिकारियों की मांग नहीं की थी। यह सुझाव कोर्ट से आया था, इसलिए विवरण जुटाने में समय लगा। सिंघवी ने कहा कि ईमेल भेज दिया गया है।

बंगाल के डीजीपी को हलफनामा दायर करने का निर्देश

सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग ने कहा कि कुछ बदमाशों / असामाजिक तत्वों ने अपने नोटिस जला डाले। इस आरोप पर कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कुछ और बातों पर भी जोर दिया।

दिल्ली में 80 लाख की लूटः शास्त्री पार्क फ्लाईओवर पर गन पॉइंट पर ले गए बैग, विरोध करने पर मारी गोली

नई दिल्ली। नॉर्थ ईस्ट दिल्ली के शास्त्री पार्क फ्लाईओवर पर मनी ट्रांसफर कंपनी के कर्मचारियों से गन पॉइंट पर 80 लाख रुपये की लूटपाट का मामला सामने आया है। लुटेरों ने विरोध करने पर कर्मचारियों पर गोली चला दी, जिसमें एक कर्मचारी घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

विरोध करने पर हाथ में मारी गोली

सोमवार को मनी ट्रांसफर कंपनी के दो कर्मचारी 80 लाख रुपये की नकदी लेकर शास्त्री पार्क फ्लाईओवर से गुजर रहे थे। इसी दौरान, मोटरसाइकिल पर सवार हमलावरों ने उनकी गाड़ी को रोका। हथियार के बल पर उन्होंने कर्मचारियों से रुपयों से भरा बैग छीनने की कोशिश की। जब कर्मचारियों ने इसका विरोध किया तो लुटेरों ने एक कर्मचारी पर गोली चला दी, जो उसके हाथ में लगी। घायल कर्मचारी को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

पुलिस की जांच जारी

घटना के संबंध में पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और लुटेरों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है, जिससे हमलावरों की पहचान की जा सके। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि लुटेरे पूरी योजना बनाकर आए थे और उन्हें कंपनी के कर्मचारियों के रूट और समय की जानकारी थी। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या इस लूटपाट में कंपनी के अंदर से किसी की मिलीभगत है या नहीं। इस घटना से इलाके में भय का माहौल है और पुलिस पर जल्द से जल्द लुटेरों को पकड़ने का दबाव है।

पीएम सदन में आने से डर रहे... सच्चाई का सामना नहीं कर सकते : राहुल गांधी

राहुल ने किस पर की एफआईआर की मांग?

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र के दौरान लोकसभा में लगातार हंगामा देखने को मिल रहा है। सुबह 11 बजे सदन शुरू होने के साथ ही हंगामे के बाद सदन की कार्यवाही को मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दिया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जनरल नरवणे की किताब पर अपनी बात रखना चाहते थे, लेकिन पीठासीन अधिकारी संध्या राय ने कहा कि बजट पर बोलना चाहते हैं तो बोल सकते हैं, लेकिन किसी और विषय पर बोलने के लिए कोई नोटिस नहीं मिला है। जिस पर फिर से हंगामा हुआ। इस पूरे घटनाक्रम पर राहुल गांधी की प्रतिक्रिया सामने आई है।

अगर किसी ने कहा कि वह पीएम पर हमला करने वाला है तो उस पर एफआईआर एफआईआर करें- राहुल

राहुल गांधी ने आगे कहा कि तीसरा मुद्दा हमारे सदस्यों का सस्पेंशन है और आखिरी मुद्दा, जिससे हम बहुत परेशान हैं, वह यह फैलाया जा रहा है कि सदस्य प्रधानमंत्री को धमकाने वाले थे। इसका कोई सवाल ही नहीं है। सच्चाई बहुत साफ है। प्रधानमंत्री सदन में आने से डर रहे थे, सदस्यों की वजह से नहीं, बल्कि मेरी बातों की वजह से। उन्होंने कहा कि वह अभी भी डरे हुए हैं क्योंकि वह सच्चाई का सामना नहीं कर सकते। हमारे सदस्यों द्वारा प्रधानमंत्री पर हमला करने का कोई सवाल ही नहीं है। उनमें आने की हिम्मत होनी चाहिए। मैंने यह भी कहा कि अगर किसी ने कहा है कि वह प्रधानमंत्री पर हमला करने वाला है, तो कृपया तुरंत एफआईआर करें। उस व्यक्ति को गिरफ्तार करें। आप ऐसा क्यों नहीं कर रहे हैं?

'रक्षा मंत्री ने झूठ कहा कि किताब पब्लिश नहीं हुई है'

राहुल गांधी ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि, कहानी कुछ दिन पहले शुरू हुई जब नरवणे की किताब का मुद्दा आया और सरकार नहीं चाहती थी कि मैं इस पर बिल्कुल भी बात करूं, इसलिए उन्होंने सदन को रोक दिया। उन्होंने मुझे बोलने नहीं दिया। ऐसा तीन या चार बार हुआ। पहले उन्होंने कहा कि मैं किसी किताब का हवाला नहीं दे सकता। मैंने कहा कि मैं किताब का हवाला नहीं दे रहा हूं, मैं एक मैगजीन का हवाला दे रहा हूं। फिर उन्होंने कहा कि आप मैगजीन का हवाला नहीं दे सकते। फिर मैंने कहा कि मैं इस बारे में बात करूंगा। फिर वे नहीं चाहते थे कि मैं इस बारे में बात करूं। रक्षा मंत्री ने झूठ कहा कि किताब पब्लिश नहीं हुई है। असल में किताब पब्लिश हो चुकी है और हमारे पास उसकी एक कॉपी भी है। राहुल गांधी ने कहा कि यह एक बड़ा मुद्दा है, राष्ट्रपति के भाषण में विपक्ष के नेता और पूरे विपक्ष को बोलने की इजाजत नहीं दी जा रही है। दूसरा मुद्दा यह है कि उनके एक सदस्य ने किताबें, कई किताबें कोट करते हुए बात की, बहुत घटिया बातें कहीं और कुछ नहीं कहा गया। हमें यह बात पसंद नहीं है कि वे जब चाहें, जो चाहें कह सकते हैं, और विपक्ष नहीं कह सकता।

लोकसभा स्पीकर को हटाने के लिए विपक्ष ला सकता है अविश्वास प्रस्ताव

नई दिल्ली। लोकसभा में बजट सत्र की शुरूआत से लेकर अब तक सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच गतिरोध की स्थिति बनी हुई है। खासकर विपक्ष के नेता राहुल गांधी की तरफ से भारत के पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित किताब से जुड़े संदर्भ पेश करने की मांग के बाद से।

इस मामले में विपक्ष ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को भी घेरा है, जिन्होंने राहुल को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव से इतर किसी किताब या रिपोर्ट पर बोलने की इजाजत नहीं दी। अब सामने आया है कि लोकसभा स्पीकर के खिलाफ विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहा है। न्यूज एजेंसी एएनआई के सूत्रों के मुताबिक, विपक्षी सांसदों का आरोप है कि लोकसभा स्पीकर सदन में पक्षपात करते हैं और कुछ सदस्यों को बोलने की मंजूरी नहीं देते। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर लोकसभा स्पीकर को लेकर विपक्ष की क्या शिकायतें हैं? संसद के निचले सदन के अध्यक्ष को हटाने की क्या प्रक्रिया है? विपक्ष कब तक इस प्रस्ताव को पेश करने की योजना बना रहा है? विपक्षी दलों का आरोप है कि उन्हें बहस के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया जाता और उनके नोटिसों को चुनिंदा तरीके से स्वीकार किया जाता है। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल के अनुसार, जब विपक्ष के नेता राहुल गांधी बोलने के लिए खड़े होते हैं, तो अक्सर उनका माइक बंद कर दिया जाता है।

क्या लोकसभा अध्यक्ष को हटाया जा सकता है, आखिर कैसे?

भारतीय संविधान में लोकसभा स्पीकर (अध्यक्ष) को हटाने की प्रक्रिया है। इसे तकनीकी रूप से 'महाभियोग' नहीं कहा जाता। संविधान में स्पीकर को हटाने का जिक्र अनुच्छेद 94(सी) के तहत दिया गया है। इसमें कहा गया है कि स्पीकर को लोकसभा के प्रस्ताव के जरिए हटाया जा सकता है।

क्या है लोकसभा स्पीकर को हटाने की प्रक्रिया?

14 दिनों का नोटिस: स्पीकर को हटाने के लिए लिखित नोटिस दिया जाना जरूरी है। वह भी कम से कम प्रक्रिया शुरू करने से 14 दिन पहले। इसी के साथ ऐसे किसी भी प्रस्ताव के लिए कम से कम 50 सांसदों का समर्थन जरूरी है।
सदन की अध्यक्षता: जब स्पीकर को हटाने के प्रस्ताव पर सदन में चर्चा या बहस हो रही होती है, तब स्पीकर सदन की अध्यक्षता नहीं कर सकते। इस दौरान डिप्टी स्पीकर या राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त कोई अन्य सदस्य सदन की कार्यवाही का संचालन करता है। **मतदान की प्रक्रिया:** स्पीकर को हटाने के लिए सदन के तत्कालीन सभी सदस्यों के बहुमत की जरूरत होती है। सीधे शब्दों में यह सामान्य अविश्वास प्रस्ताव से अलग है, क्योंकि इसमें केवल सदन में मौजूद और मतदान करने वाले सदस्यों का बहुमत पर्याप्त नहीं होता। सभी सदस्यों की मौजूदगी और उनका मतदान करना जरूरी होता है।
इसे एक उदाहरण से समझें, अगर सदन की कुल सदस्य संख्या 543 है, तो स्पीकर को हटाने के लिए कम से कम 272 वोटों की जरूरत होगी, चाहे सदन में कितने भी सदस्य गैरमौजूद हों या मतदान में हिस्सा न ले रहे हों।
प्रस्ताव पारित होने का असर: अगर लोकसभा में यह प्रस्ताव बहुमत से पारित हो जाता है, तो स्पीकर को तत्काल प्रभाव से पद छोड़ना पड़ता है। इसके साथ ही सदन को नए अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू करनी होती है।
चूंकि लोकसभा स्पीकर मुख्यत: उसी दल की तरफ से चुना जाता है, जो सत्ता में होता है, ऐसे में अगर स्पीकर को हटाने के लिए जरूरी वोट मिल जाते हैं तो यह सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के तौर पर देखा जाता है।

पाकिस्तान लिंक मामलाः 'सीएम खुद को चाणक्य समझते हैं'

सरमा के आरोपों पर गौरव गोगोई का पलटवार; लगाए गंभीर आरोप

गुवाहाटी। कांग्रेस सांसद गोरव गोगोई के पाकिस्तान लिंक मामले में असम की राजनीति में गर्माहट तेज है। आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति भी सातवें आसमान पर है। ऐसे में अब कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की तरफ से लगाए गए आरोपों पर करारा जवाब दिया है। उन्होंने साफ कहा कि वह शुरू से ही विशेष जांच टीम (एसआईटी) की जांच के खिलाफ नहीं हैं और चाहते हैं कि एसआईटी की रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए।

गौरव गोगोई ने कहा कि अगर मुख्यमंत्री को इस मामले में इतनी ही गंभीर चिंता थी, तो वह पिछले छह महीनों से चुप क्यों थे। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर यह मामला सच में राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा था, तो मुख्यमंत्री ने अब तक कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठाया।

सीएम के आरोपों को बताया राजनीति से प्रेरित

गोगोई ने आगे मुख्यमंत्री द्वारा की गई लंबी प्रेस कॉन्फ्रेंस को राजनीति से प्रेरित बताया। गौरव गोगोई के मुताबिक, इसका असली कारण कांग्रेस पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस द्वारा यह खुलासा किए जाने के बाद कि मुख्यमंत्री के परिवार के पास 12,000 बीघा जमीन है, मुख्यमंत्री दबाव में आ गए और उन्हें प्रेस कॉन्फ्रेंस करनी पड़ी। गौरव गोगोई ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री खुद को चाणक्य समझते हैं, लेकिन असम की जनता सच्चाई जानती है। उन्होंने दोहराया कि कांग्रेस पारदर्शिता के पक्ष में है और इसलिए एसआईटी रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाना चाहिए।

पाकिस्तान जाने की बात पर क्या बोले गोगोई

इसके साथ ही गौरव गोगोई ने स्पष्ट किया कि उनकी पत्नी 2013 में काम के सिलसिले में पाकिस्तान गई थीं और वह उस 10 दिन की यात्रा में उनके साथ थे। उन्होंने कहा कि उस समय एसआईटी ने उन्हें इस यात्रा के बारे में कभी पूछताछ नहीं की। गोगोई ने कहा कि असम में मुख्यमंत्री के वीडियो मुस्लिम समुदाय के खिलाफ नफरत और हिंसा भड़काने वाले हैं। उन्होंने इसे गंभीरता से लिया है और इसे रोकने के लिए कानूनी विकल्पों पर भी विचार किया जाएगा।

'खास समुदाय को निशाना बना रहें सीएम'

गोगोई ने कहा कि एसआईटी रिपोर्ट पिछले छह महीने से मुख्यमंत्री के आरोपों को साबित करने में कोई मदद नहीं कर रही। गोगोई ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री समाज के एक खास समुदाय को निशाना बना रहे हैं और सोशल मीडिया पर भड़काऊ वीडियो शेयर कर ह्लसामूहिक हत्याह्व के माहौल को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह अपने छोटे बच्चों पर मुख्यमंत्री की टिप्पणी के खिलाफ कानूनी रास्ता अपनाने पर भी विचार करेंगे।

ग्वालियर में रेबीज का कहरः पांच दिन में तीन मौतें, तीन डोज के बाद भी मासूम नहीं बचा; स्वास्थ्य विभाग कटघरे में

ग्वालियर। ग्वालियर में महज पांच दिनों के भीतर एक मासूम सहित रेबीज से तीन लोगों की मौत ने हड़कंप मचा दिया है। सबसे चौंकाने वाला मामला एक छह वर्षीय बच्चे का है, जिसकी मौत एंटी-रेबीज वैक्सीन के तीन डोज लगने के बावजूद हुई। इस घटना के बाद वैक्सीन की गुणवत्ता और स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। खुद स्वास्थ्य विभाग में भी इस मामले को लेकर अफरा-तफरी है और जांच के आदेश देने की बात कही जा रही है।

शहर में सड़कों पर स्वच्छंद घूम रहे आवारा कुत्तों से लोग पहले ही भयभीत हैं। प्रशासन और स्वास्थ्य तंत्र की लापरवाही व नाकामी अब जानलेवा साबित होने लगी है। इसका चौंकाने वाला खुलासा न्यू जयारोग्य चिकित्सालय में सामने आया है, जहां बीते पांच दिनों में रेबीज से तीन मरीजों की मौत हो चुकी है।

इन मामलों में सबसे गंभीर और दुर्लभ घटना दतिया जिले से आए छह वर्षीय मासूम हंस प्रजापति की है। डॉग बाइट के बाद उसे समय पर एंटी-रेबीज वैक्सीन की तीन डोज लगाई गईं, इसके बावजूद उसमें रेबीज के लक्षण विकसित हो गए और अंततः उसकी मौत हो गई। यह मामला न सिर्फ चिकित्सा व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है, बल्कि आवारा कुत्तों को लेकर प्रशासन के दावों की भी पोल खोलता है। मासूम हंस के पिता अशोक उर्फ कल्लू प्रजापति ने बताया कि जिस दिन उनके बेटे को आवारा कुत्ते ने काटा, उसी दिन डॉक्टर की सलाह पर इलाज शुरू करा दिया गया था। स्थानीय चिकित्सकों की निगरानी में बच्चे को 13 जनवरी को पहला, 16 जनवरी को दूसरा और 21 जनवरी को तीसरा एंटी-रेबीज इंजेक्शन लगाया गया। चौथा डोज 10 फरवरी को लगाया जाना था, लेकिन उससे पहले ही बीते शुक्रवार को बच्चे में रेबीज के लक्षण दिखाई देने लगे।

हवा और पानी से लगने लगा डर

बच्चा अचानक चौंकने लगा, उसे हवा और पानी से डर लगने लगा। परिजन उसे तत्काल कमलाराजा अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन हालत में सुधार नहीं हुआ। इसके बाद शनिवार को उसे दतिया ले जाया गया, जहां शनिवार-रविवार की दरम्यानी रात उसकी मौत हो गई।

सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब पीड़ित को डॉक्टरों द्वारा बताई गई तारीखों पर सभी इंजेक्शन लगाए गए, तो फिर रेबीज कैसे हुआ? अगर वैक्सीन सही थी, तो बीमारी कैसे फैल गई? डॉक्टर भी मान रहे हैं कि एंटी-रेबीज वैक्सीन के तीन डोज लगने के बाद रेबीज होना बेहद दुर्लभ माना जाता है।

क्या बोले डॉक्टर?

जयारोग्य चिकित्सालय के वरिष्ठ चिकित्सक एवं जनसंपर्क अधिकारी डॉ. मनीष चतुर्वेदी ने स्वीकार किया कि बीते पांच दिनों में डॉग बाइट के शिकार तीन लोगों की मौत हुई है, जो बेहद चिंताजनक है। इनमें एक मरीज ग्वालियर और दूसरा टीकमगढ़ का निवासी था, लेकिन सबसे अधिक चिंता दतिया निवासी छह वर्षीय बच्चे की मौत को लेकर है। उन्होंने कहा कि यह ह्लरेयर टू रेयरेस्टह्व मामला है और इसकी बहुस्तरीय जांच कराई जाएगी, जिसमें इलाज की प्रक्रिया, देखरेख और वैक्सीन की गुणवत्ता की भी जांच शामिल होगी।

इश्क, इंतकाम या हत्या की वजह कुछ औरः पंजाब में छात्रा को क्लास में प्रिंस ने क्यों मारी गोली? असल वजह आई सामने

पंजाब। पंजाब के तरनतारन जिले के गांव उसमां स्थित माई भागो लॉ कॉलेज में सोमवार सुबह जो हुआ, उसने हर किसी को सन्न कर दिया। सुबह करीब 9:15 बजे क्लासरूम से दो गोलियों की आवाज गूंजी। महज दो सेकेंड के अंतराल में चली इन गोलियों ने दो जिंदगियां खत्म कर दीं और पूरे कॉलेज परिसर में दहशत फैला दी।

लॉ की क्लास में टूटा कानून
दो सेकेंड और दो लाशें, जज बनना चाहती थी संदीप

संदीप की सगाई से नाराज था प्रिंस

बताया जा रहा है कि लॉ छात्र प्रिंस राज सिंह अपनी क्लासमेट संदीप कौर की सगाई से नाराज था। वह लंबे समय से उसे एकतरफा प्रेम के लिए परेशान कर रहा था। रविवार को उसने फोन पर संदीप को प्रपोज किया था, लेकिन संदीप ने साफ इनकार कर दिया और इसकी जानकारी अपने परिवार को भी दे दी।

क्लासरूम में दोबारा प्रपोज, फिर खौफनाक कदम

सोमवार को कॉलेज खुलते ही प्रिंस राज सिंह बैग में पिस्टल लेकर क्लासरूम पहुंचा। उस वक्त संदीप अपनी सहेली के साथ बेंच पर बैठी थी। प्रिंस ने एक बार फिर सबके सामने उसे प्रपोज किया। संदीप ने दोबारा मना किया तो वह बौखला गया। गुस्से में उसने बैग से पिस्टल निकाली और संदीप के सिर पर गोली मार दी। घटना इतनी तेजी से हुई कि किसी को संभलने का मौका तक नहीं मिला। संदीप के गिरते ही प्रिंस ने खुद की कनपटी पर पिस्टल सटाकर गोली चला दी। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

नौशहरा पन्नूआं निवासी हीरा सिंह की बेटी संदीप कौर लॉ की पढ़ाई कर रही थी और आगे चलकर जज बनना चाहती थी। उसकी मां हरजिंदर कौर ने बताया कि परिवार ने बड़ी मेहनत से उसका दाखिला करवाया था। संदीप सात बहनों में से एक थी। पिता का पहले ही निधन हो चुका है। परिजनों के मुताबिक, प्रिंस राज सिंह कई दिनों से संदीप को परेशान कर रहा था और घर तक आकर प्रेम प्रस्ताव दे चुका था, जिसे संदीप ने हर बार ठुकराया।

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
03 ● नई दिल्ली। मंगलवार 10 फरवरी -2026 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

करंट क्राइम ट्वीट का कंटेंट
Sanjeev Gupta Fan Club is with Deepak Bhati and 8 others.
15h
#Summercool के दो नये मॉडल, #Ivaan & #Singham सेल्स के इतिहास में, #देश_में_गर्दा_उड़ा_दिया 🙏

ऐसा लग रहा है कि देर से आयेगा महानगर वाली टीम की घोषणा का पैगाम

बहुत समय के बाद मिल गया चारों महामंत्रियों को संगठन का काम!

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनीति में और खास तौर से भाजपा की राजनीति में आयाम का बड़ा महत्व है। आयाम आता है तो लगता है कि संगठन स्तर पर काम चल रहा है और जब आयाम में स्थानीय नेताओं को काम मिलता है तो ये माना जाता है कि उनकी संगठन में पूछ है। महानगर अध्यक्ष की घोषणा हो गयी और उसके बाद से ही महानगर टीम की घोषणा का इंतजार हो रहा है। हालाकि अब राष्ट्रीय और प्रदेश अध्यक्ष भी घोषित हो चुके हैं।

ये अनुमान लगाया जा रहा है कि महाशिवरात्रि के पर्व पर क्षेत्रीय अध्यक्ष की घोषणा हो सकती है और इसी के साथ प्रदेश कमेटी की घोषणा होगी। राष्ट्र घोषित हो गया, प्रदेश घोषित हो गया। क्षेत्रीय अध्यक्ष का भी नाम घोषित हो जायेगा लेकिन कोई नहीं बता रहा कि महानगर वाली टीम का पैगाम कब आयेगा।

इन सब के बीच कई आयाम आये, कई कार्यक्रम हुए लेकिन महानगर वाली टीम में सबसे खास माने जाने वाले चारों महामंत्री पैदल नजर आये। अक्सर ये चर्चा सुनाई देती थी कि महानगर संगठन की ओर से चारों महामंत्रियों को कोई काम नहीं बताया जा रहा है। हालाकि यह महानगर अध्यक्ष का विवेक है कि वह एक कप्तान के तौर पर जिस पदाधिकारी को चाहें उसे काम पर लगायें, दायित्व सौंपे। महानगर जैसी टीम में महामंत्री जैसे पद पर आसीन चेहरों को लेकर अध्यक्ष का उदासीन होना चर्चा में रहा। लेकिन यह सीन समाप्त हो गया है और अब ऐसा लगताहै कि प्रदेश संगठन की ओर से कोई पैगाम आया है। पैगाम ये है कि चारों महामंत्रियों को काम दिया जाये और ये माना जा रहा है कि इस पैगाम का एक संदेश ये भी है कि फिरलहाल महानगर वाली टीम की घोषणा को लेकर किसी भी चर्चा को विराम दिया जाये। अब महानगर के चारों महामंत्री काम पर लौटे हैं। महामंत्री पप्पू पहलवान, महामंत्री गोपाल अग्रवाल, महामंत्री सुशील गौतम और महामंत्री राजेश त्यागी को एसआईआर अभियान से जोड़ा गया है।

इन सभी को अलग अलग दायित्व दे दिये गये हैं। माना ये जा रहा है कि अब महानगर टीम की घोषणा एसआईआर अभियान के बाद ही होगी और तब तक चारों महामंत्री पूरी शिद्दत से काम करेंगे।

किसी के पास प्रकोष्ठ, कोई मोर्चा तो कोई संभालेगा मंडल अध्यक्ष

करंट क्राइम। भाजपा ने अपने महामंत्रियों को दायित्व सौंपे हैं और ये महत्वपूर्ण दायित्व माने जा रहे हैं। महामंत्री पप्पू पहलवान को महानगर के सभी प्रकोष्ठों का प्रभार सौंपा गया है। वो सभी प्रकोष्ठों के अध्यक्षों और अन्य पदाधिकारियों के साथ समन्वय बैठाकर काम करेंगे। इसी तरह महामंत्री गोपाल अग्रवाल महानगर की मौजूदा टीम के साथ कॉरडिनेशन बैठायेंगे। और इसके अलावा वो सभी मंडल अध्यक्षों के साथ मिलकर काम करेंगे। भाजपा के महामंत्री राजेश त्यागी को सभी मोर्चों का काम दिया गया है। महामंत्री सुशील गौतम सभी पार्षदों के साथ समन्वय बैठाकर काम करेंगे और उन्हें अन्य जिम्मेदारी दी गयी है।

प्रतिदिन देंगे चारो महामंत्री एसआईआर की रिपोर्ट

करंट क्राइम। महामंत्री पप्पू पहलवान, गोपाल अग्रवाल, सुशील गौतम और राजेश त्यागी को एसआईआर अभियान से जोड़ा गया है। चारों महामंत्री रोजाना एसआईआर अभियान पर काम करेंगे। चारों महामंत्री रोजाना एसआईआर अभियान को लेकर अपनी रिपोर्ट सौंपेंगे।

पुराने कार्यकर्ताओं का सम्मेलन करायेंगे पप्पू पहलवान

करंट क्राइम। पप्पू पहलवान सियासत के पुराने खिलाड़ी हैं। जनसभा से लेकर सम्मेलन बुलाने की ताकत रखते हैं। इस मैनेजमेंट के माहिर माने जाते हैं। प्रदेश संगठन से जो पैगाम आया है उसमें शायद एक संदेश पप्पू पहलवान के लिए भी है। पप्पू पहलवान को सभी पुराने कार्यकर्ताओं का सम्मेलन कराना है। उन्हें ये दायित्व सौंपा गया है।

अग्रवाल जी के खास अग्रवाल जी को क्यों जाना पड़ा आखिर जनरली साहब के पास

बिरादरी वाले नेता ने कराया अग्रवाल जी का वो काम, जय माता दी हो गए श्रीमान

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनीति में कई बार वहां भी काम पड़ जाता है जहां लगता है कि हमारा कोई काम नहीं है। राजनीति में किस्सा ऐसा गूंज रहा है कि उसमें पूर्व वाले भी आ गये और अभूतपूर्व तरीके से काम को कराते जनसेवक भी आ गये। अग्रवाल जी नेकदिल इंसान हैं और उनकी पूरी लाईफ समाजसेवा में गुजरी है। सोशल प्रोफाईल जबरदस्त है और हमेशा चेहरे पर स्माईल रखते हैं। बड़ी बात ये है कि ये अग्रवाल जी साहब की नाम राशि के हैं। और भले ही नाम एक है लेकिन काम दानों को ही एक दूसरे से कभी नहीं पड़ा। समाजसेवा वाले अग्रवाल जी की टयूनिंग राजनीति वाले अग्रवाल जी से जबरदस्त है। साहब से उतनी टयूनिंग नहीं है और अग्रवाल जी का समर्पण अग्रवाल जी के प्रति ज्यादा है। अग्रवाल जी भले ही अब पूर्व हो चुके हैं लेकिन वो अभूतपूर्व तरीके से अपने लोगों के काम आते हैं। लेकिन कई बार ऐसे काम भी आ जाते हैं कि वहां कोई और ही काम आते हैं। बताते हैं कि सोशल वाले अग्रवाल जी का

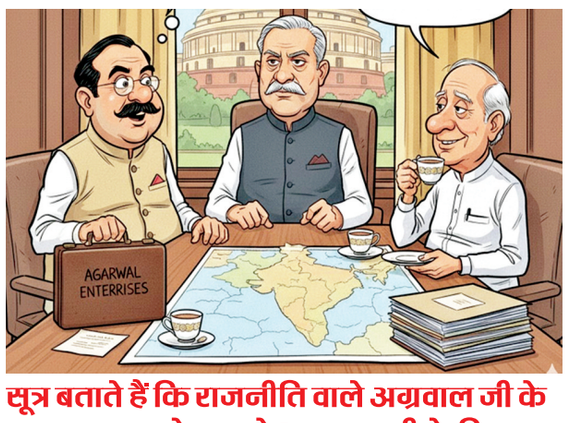

सूत्र बताते हैं कि राजनीति वाले अग्रवाल जी के खास समाज सेवा वाले अग्रवाल जी के लिए वीवीआईपी व्यवस्था वाला पास साहब के खास और दोनों अग्रवाल जी के बिरादरी वाले जनसेवक ने तैयार करा दिया।

पॉलिटिकल वाले अग्रवाल जी से इतना घनिष्ट कनेक्शन है कि जब उन्होंने चुनाव की अंगड़ाई ली तो बिरादरी का सम्मेलन सोशल सर्विस वाले अग्रवाल जी से कराया। टिकट दावेदारी की जंग में साथ रहे। मगर समाजसेवा वाले अग्रवाल जी को एक ऐसा काम पड़ गया कि उन्हें साहब के यहां दस्तक देनी पड़ी। टयूनिंग वाला सवाल था और यहां बिरादरी वाले जनसेवक ने आकर पूरी नैय्या को संभाल लिया। ये जनसेवक जनरली साहब के बहुत ही स्पेशल बताये जाते हैं। इनकी वहां के संबंधों में मिठास भी है और ये चेहरा साहब के बहुत खास भी है। बिरादरी वाले जनसेवक हमेशा अपनों के लिए हाजिर रहते हैं। उन्होंने तत्काल ही सोशल सर्विस वाले अग्रवाल जी को साथ लिया और उनका काम करा दिया। काम भी ऐसा था कि सीन में भैरो बाबा भी आ रहे हैं और मां भी आ रही हैं। सोशल सर्विस वाले अग्रवाल जी चाहते थे कि अगर साहब इसमें रूची लेंगे तो मां के दर्शन से लेकर भैरो बाबा के दर्शनों में सुविधा रहेगी। बिरादरी वाले जनसेवक ने तत्काल ही फैसलिटि वाला फैमिली पैकेज रेड्डी करा दिया। लैटर जनसेवक का था तो मैटर पर कुछ बात होनी ही नहीं थी। सूत्र बताते हैं कि राजनीति वाले अग्रवाल जी के खास समाज सेवा वाले अग्रवाल जी के लिए वीवीआईपी व्यवस्था वाला पास साहब के खास और दोनों अग्रवाल जी के बिरादरी वाले जनसेवक ने तैयार करा दिया।

पार्टी में उठ रहे हैं सवाल, कोई नई ज्वॉइनिंग से फैजल और वीरेंद्र कब पेश करेंगे मिसाल

क्या नोएडा में सपा प्रमुख के आगमन से पहले तेज होंगे संगठनात्मक अभियान

गाजियाबाद, करंट क्राइम : विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर समाजवादी पार्टी ने तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी द्वारा चलाए जा रहे एसआईआर अभियान को संगठन में खास अहमियत दी जा रही है। इसी क्रम में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नोएडा आगमन की तैयारियां भी शुरू हो चुकी हैं। उनके दौरे से पहले पार्टी स्तर पर कई अभियान शुरू किए जाने की चर्चा है, ताकि मिशन चुनाव को धार दी जा सके। हालांकि, पार्टी के भीतर एक अहम सवाल लगातार उठ रहा है। बताया जा रहा है कि लंबे समय से न तो किसी बड़े चेहरे की घर वापसी हुई है और न ही चुनाव को देखते हुए

किसी नए प्रकोष्ठ या संगठनात्मक जिम्मेदारी की बड़ी घोषणा सामने आई है। इसे लेकर सपा नेताओं और वरिष्ठ पदाधिकारियों के बीच चर्चाएं तेज हैं। सपा पार्टी सूत्रों के मुताबिक, मौजूदा जिलाध्यक्ष फैजल हुसैन और महानगर अध्यक्ष वीरेंद्र यादव से अपेक्षा की जा रही है कि वे अखिलेश यादव के नोएडा कार्यक्रम से पहले कोई ठोस मिसाल पेश करें।

चर्चा है कि यदि इस दौरान पार्टी में कुछ प्रमुख चेहरों की ज्वॉइनिंग करवाई जाती है और सक्रिय कार्यकर्ताओं को प्रकोष्ठ व विधानसभा स्तर पर जिम्मेदारियां सौंपी जाती हैं, तो इससे न केवल संगठन को मजबूती मिलेगी बल्कि चुनावी माहौल में पार्टी का मनोबल भी बढ़ेगा। यह पर बता दें कि बीते दिनों समाजवादी पार्टी में कुछ नेताओं को उनके दायित्वों से हटाया गया था, लेकिन उनके स्थान पर नए और प्रभावी चेहरों को प्रमुखता नहीं मिल सकी।

इसी को लेकर संगठन के भीतर असंतोष और सवाल दोनों बने हुए हैं। कुल मिलाकर, सपा प्रमुख के नोएडा दौरे को संगठन के लिए एक टर्निंग प्वाइंट माना जा रहा है।

अब निगाहें इस पर टिकी हैं कि फैजल हुसैन और वीरेंद्र यादव किस तरह संगठनात्मक सक्रियता दिखाते हैं और क्या वे नई ज्वॉइनिंग व जिम्मेदारियों के जरिए पार्टी को चुनावी मोड में ला पाते हैं या नहीं।

काश मिस्टर कूल जाते एक विधायक का फोटो भूल

पूर्व वाले जनप्रतिनिधि नहीं कर सके वर्तमान जनप्रतिनिधि का फोटो कबूल!

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनीति में कुछ चेहरों से लगाव होता है और कुछ से तो इतना लगाव होता है कि उनकी राजनीति पर निगाहें लगी रहती हैं। किस्सा जनप्रतिनिधि के चेहरे पर अखबार लगाने का है। किस्से में अखबार है तकरार है। और किस्सा भाजपा में गूंज रहा है। दरअसल कूल मैंन की एक आदत है कि वो हमेशा अपनों की खुशी में शामिल होते हें और उन्हें लगता है कि हम सब एक दल के हैं। मिस्टर कूल को नहीं पता कि ये फूल वाली पॉलिटिक्स है और इसमें कई चेहरे तो अपने विरोधी को एकदम बबूल मानते हैं। मिस्टर कूल ने हैप्पी न्यूईयर से लेकर गणतंत्र दिवस तक की बधाईयां होर्डिंग लगाकर दीं और उन्होंने बधाई वाले होर्डिंग भाजपा के दो बड़े नेताओं के घर के बाहर भी लगाये। मिस्टर कूल ने उनका फोटो लगाया और साथ में बिंदी साईज में प्रोटोकॉल वाले सभी चेहरों का फोटो भी लगा दिया। होर्डिंग वाले को होर्डिंग तैयार करने के निर्देश दिये। उन्हें नहीं पता था कि आप जिस फोटो को बिंदी साईज मान रहे हो, पूर्व वाले जनप्रतिनिधि हिंदी में भी उसे देख नहीं सकते हैं। होर्डिंग लग गया और बड़ा मोड तब आया जब पूर्व जनप्रतिनिधि के घर के बाहर लगे होर्डिंग में एक जनप्रतिनधि के मुंह पर अखबार चिपका दिया। राजनीति में ऐसी तकरार कि होर्डिंग में भी अपने प्रतिद्वंदि के मुंह के फोटो पर अखबार चिपकता पहली बार देखा। पूर्व जनप्रतिनिधि बड़ें पद पर रहे हैं और उनके घर के बाहर अगर होर्डिंग लगा है तो सब ये मानते हैं कि उनकी नजर बड़े फोटो पर गयी होगी। लेकिन फूल वाले ही बता रहे हैं कि उनकी नजरें बहुत तेज हैं और उन्होंने छोटे फोटो में भी अपने राजनीतिक विरोधी को ढूंढ लिया और बिंदी साईज के इस फोटो का किस्सा भाजपा में गूंज रहा है। पूछने वाले पूछ भी रहे हैं कि आखिर ऐसी भी क्या बेकरारी है कि फोटो पर अखबार चिपकाया गया है।

किस विधायक का डीसीपी पहुंचा फूल वाले पार्षद के पास

वीडियो कॉल भी मिलाई और विधायक के खास चेहरे से बात भी कराई

गाजियाबाद, करंट क्राइम। भगवा राजनीति तेजी से करवट बदल रही है और यहां नये नये एक्सपेरिमेंट हो रहे हैं। पार्षदों ने भी अपना प्रतिनिधि रख लिया है और एक पूर्व पार्षद तो अपना ओएसडी भी रखते हैं। ये ओएसडी भी कई मौकों पर फोन मिला चुका है। मगर सीन में नयी एंट्री अब विधायक जी के डीसीपी की हो गयी है। विधायक जी हरदिल अजीज हैं और उनके यहां सबका स्वागत है। लेकिन विधायक जी का डीसीपी जब मार्किट में लॉन्च हुआ तो यह सबसे पहले भाजपा के ही एक पार्षद जी के यहां पहुंचा। भाजपा के ये पार्षद भी चर्चाओं में रहते हैं और बड़ी बात ये है कि निगम के अधिकारियों से लेकर एक बड़े जनप्रतिनिधि के रडार पर ये पार्षद रहते हैं। पार्षद जी के पास फोन आया और फोन करने वाले ने बताया कि मैं उनका डीसीपी बोल रहा हूं।

पार्षद जी ने भी अभी तक पुलिस का डीसीपी सुनाथा मगर विधायक जी का डीसीपी पहली बार सुना। उधर विधायक जी का डीसीपी कतई हवा में उड़ रहा था और वो नीचे आने को तैयार नहीं था। पार्षद जी ने उसे बताया कि मैं अभी कहीं और हूं। विधायक जी के डीसीपी ने फिर दोहराया कि आपकों पता नहीं है कि मैं विधायक जी का डीसीपी बोल रहा हूं आप जल्दी आयें। अब पार्षद जी का भी इंटरेस्ट इस बात में बढ़ गया कि आखिर देखें तो सही कि ये विधायक जी का डीसीपी कैसा होता है। जब पार्षद अपने कार्यालय पहूंचे तो उन्हें एक युवक दिखाई दिया। मामूली हुलिये का ये युवक मध्य प्रदेश क ा

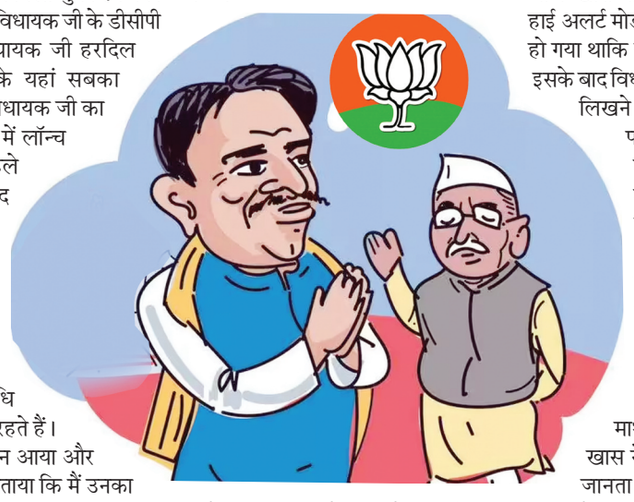

रहने वाला था। उसने पार्षद से कहा कि यह आधारकार्ड बनना है और आप लैटर लिखिये।

पार्षद ने जब दस्तावेज देखे तो वो सभी मध्यप्रदेश के थे। पार्षद ने जब लैटर लिखने से इंकार किया तो विधायक जी के डीसीपी ने पार्षद जी को थोड़ा सख्त लहजे में कहा कि अब आप विधायक जी को ही जवाब देना। मगर पार्षद तब हैरान रह गया जब खुद को विधायक जी का डीसीपी बताने वाले ने विधायक जी को वीडियो कॉल मिला दिया।

कमाल ये भी हुआ कि उधर से वीडियो कॉल रिसीव हुई और इधर से बात की। पार्षद के अनुसार बातचीत का लहजा ऐसा लग रहा था कि जैसे उस डीसीपी को विधायक जी के खास जानते हैं। लेकिन पार्षद भी अब हाई अलर्ट मोड पर थे और उन्हें ये अहसास हो गया थाकि ये काई ठगी गेम है। पार्षद ने इसके बाद विधायक जी के डीसीपी को लैटर लिखने से साफ इंकार कर दिया। इस पर विधायक जी के डीसीपी नाराज होकर चले गये। इस दौरान ये भी हुआ कि डीसीपी विधायक के दो साथी और भी आ गये थे। उनके जाने के बाद जब पार्षद ने विधायक के खास को फोन मिलाया और पूछा कि क्या तुम इन युवकों को जानते हो।

जवाब सुनकर पार्षद का माथा सुनकर जब विधायक के खास ने बताया कि नहीं मैं तो नहीं जानता। तब पार्षद ने विधायक के खास को भी इस बात के लिए कहा कि जब तुम जानते नहीं हो तब क्यों वीडियो कॉल पर इतने घनिष्ठ लहजे में बात कर रहे थे।

फिलहाल विधायक जी लखनऊ में हैं और उनका डीसीपी फरार है। अब उसके आने का इंतजार हो रहा है, उसी के बाद पता चलेगा कि क्या वास्तव में उसे विधायक जी ने भेजा था या वो खुद ही विधायक जी का डीसीपी बनकर आ गया था।

इन्दिरापुरम श्मशान घाट बचाने की निर्णायक लड़ाई, सात पार्षद पहुंचे इलाहाबाद हाईकोर्ट

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। इन्दिरापुरम के शक्ति खंड-4 स्थित श्मशान घाट की जमीन को कथित तौर पर बिल्डरों के कब्जे से बचाने के लिए अब निर्णायक संघर्ष शुरू हो चुका है। दशकों से इन्दिरापुरम, मकनपुर और कनावनी क्षेत्र की लाखों आबादी की अंतिम संस्कार की आवश्यकता पूरी करने वाला यह श्मशान घाट आज अपने अस्तित्व को बचाने के लिए न्याय की शरण में पहुंच चुका है।

इस ऐतिहासिक श्मशान घाट को बचाने के लिए इन्दिरापुरम क्षेत्र के सात पार्षद महत्वपूर्ण दस्तावेजी साक्ष्यों के साथ इलाहाबाद हाईकोर्ट रवाना हो गए हैं। पार्षदों का उद्देश्य 12 फरवरी को प्रस्तावित सुनवाई से पहले हाईकोर्ट में इंटरवेंशन याचिका दाखिल कर जनता और नगर निगम का पक्ष मजबूती से रखना है, ताकि किसी भी परिस्थिति में सार्वजनिक श्मशान घाट की भूमि निजी बिल्डरों के हाथों में न जा सके। पार्षदों का कहना है कि यह मामला केवल भूमि विवाद नहीं, बल्कि जनभावनाओं, परंपरा और सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़ा हुआ गंभीर विषय है।

इलाहाबाद रवाना होने से पूर्व पार्षदों ने बताया कि उनके पास इस बात के पुख्ता और अकाट्य प्रमाण मौजूद हैं कि यह भूमि वर्षों से श्मशान घाट के रूप में उपयोग में रही है। नगर निगम द्वारा यहां शवदाह चबूतरे, रास्ता, बिजली-पानी की व्यवस्था

और सौंदर्यीकरण कार्यों पर करोड़ों रुपये की सरकारी धनराशि खर्च की जा चुकी है। सरकारी बजट से हुए ये कार्य स्वयं इस तथ्य को प्रमाणित करते हैं कि यह भूमि सार्वजनिक उपयोग की है और इसे किसी निजी संस्था या बिल्डर की संपत्ति नहीं माना जा सकता।

पार्षदों ने यह भी स्पष्ट किया कि न्यायालय में हजारों ऐसे मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे, जिनमें अंतिम संस्कार का स्थान स्पष्ट रूप से इसी पुष्पाणी श्मशान घाट को दर्ज किया गया है। इन प्रमाण पत्रों के अतिरिक्त पुराने राजस्व अभिलेख, नगर निगम से संबंधित दस्तावेज और स्थानीय नागरिकों के बयान भी न्यायालय के समक्ष रखे जाएंगे, जिससे यह सिद्ध हो सके कि यह स्थल दशकों से सार्वजनिक श्मशान घाट के रूप में स्थापित है।

इंदिरापुरम के पार्षदों ने दिखाई एकजुटता, बाई कार गए हैं साथ-साथ

करंट क्राइम : पार्षद संजय सिंह और राधेश्याम त्यागी ने संयुक्त रूप से कहा कि यह भूमि केवल एक भूखंड नहीं, बल्कि क्षेत्र की लाखों आबादी की आस्था और सम्मान से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि बिल्डर इस पवित्र स्थल पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन जनप्रतिनिधि होने के नाते वे इसे किसी भी कीमत पर सफल नहीं होने देंगे। वहीं पार्षद डॉ. अनिल तोमर और अनुज त्यागी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि यह कानूनी लड़ाई लंबी भी चलती है, तो भी वे पीछे हटने वाले नहीं हैं और श्मशान घाट को बचाने के लिए हर स्तर पर संघर्ष जारी रहेगा। वार्ड-57 के पार्षद राधेश्याम त्यागी ने बताया कि यह पुष्पाणी श्मशान घाट मकनपुर और कनावनी गांव का पारंपरिक और ऐतिहासिक श्मशान स्थल है, जहां वर्षों से अंतिम संस्कार होते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे सार्वजनिक और पवित्र स्थल पर किसी बिल्डर द्वारा दावा किया जाना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि कानून और जनभावनाओं दोनों के खिलाफ है। इलाहाबाद हाईकोर्ट जाने वाले प्रतिनिधिमंडल में पार्षद संजय सिंह, राधेश्याम त्यागी, डॉ. अनिल तोमर, अनुज त्यागी, पूर्व पार्षद अभिनव जैन सहित कुल सात जनप्रतिनिधि शामिल हैं। सभी का एक ही संकल्प है कि शहर की सार्वजनिक सुविधाओं और जनहित से जुड़े स्थलों को भू-माफियाओं के हाथों में नहीं जाने दिया जाएगा और न्यायालय में सच्चाई के आधार पर इस लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाया जाएगा।

संपादकीय

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता

भारत और अमेरिका द्वारा जारी किया गया संयुक्त बयान जिसमें एक अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा पेश की गई है, वह दोनों देशों के बीच संबंधों में महत्त्वपूर्ण नरमी का संकेत हो सकता है। हालांकि अभी यह तय नहीं है कि इसे कितनी तेजी से लागू किया जाएगा, लेकिन उम्मीद है कि उन निर्यातकों को कुछ राहत मिलेगी जो अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा कुछ महीने पहले लागू किए गए 50 फीसदी के शुल्क से प्रभावित हो रहे थे।

रूस से तेल खरीदने के कारण भारत पर लगाए गए 25 फीसदी के अतिरिक्त शुल्क के बारे में बयान में स्पष्ट जिक्र नहीं किया गया है लेकिन माना यही जा रहा है कि इसे समाप्त कर दिया जाएगा। ट्रंप ने अपनी एक पोस्ट में दावा किया था कि भारत ने ह्यरूस से तेल खरीदना बंद करने तथा अमेरिका और संभावित तौर पर वेनेजुएला से अधिक तेल खरीदने पर सहमति जताई है। शेष 25 फीसदी शुल्क को अब घटाकर 18 फीसदी कर दिया जाएगा। यह दर एशिया की कई अन्य अर्थव्यवस्थाओं के साथ प्रतिस्पर्धी है। इसके अलावा भारत ने यह सुनिश्चित किया है कृषि उत्पादों का एक खास हिस्सा सुरक्षित रहे। अमेरिका की कुछ कृषि जिंस मसलन फल, सोयाबीन तेल, नट्स आदि को भारतीय बाजारों में भेजने की इजाजत होगी। परंतु अहम घरेलू उत्पाद जिनमें चावल, गेहूं, पोल्ट्री और डेरी आदि शामिल हैं, वे सुरक्षित रहेंगे।

अहम औद्योगिक वस्तुओं पर लगने वाले शुल्कों में भारी कमी की जा रही है हालांकि यह देखना होगा कि किन चीजों पर शून्य शुल्क लगेगा और दूसरी वस्तुओं के लिए क्या रास्ता होगा। चाहे जो भी हो, यह भारतीय उपभोक्ताओं के लिए एक जीत है क्योंकि हाल ही में कई महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों को यूरोपीय संघ और अमेरिका दोनों से व्यापार के लिए मुक्त कर दिया गया है। भारत ने अमेरिका से 500 अरब डॉलर मूल्य के सामान खरीदने का वादा भी किया है। बोइंग से विमान खरीदने की बड़ी प्रतिबद्धताएं इसका एक उचित हिस्सा होंगी।

यदि जीवाश्म ईंधनों की बढ़ी हुई खरीद वास्तव में होती है, तो वह भी मददगार होगी। ऑस्ट्रेलिया से कोकिंग कोयले के आयात की जगह लंबे समय से विविध स्रोतों से हासिल करने की कोशिश रही है, और अमेरिका एक संभावित विकल्प है। यदि हाल ही में केंद्रीय बजट में घोषित कर राहत से कुछ हद तक प्रोत्साहित होकर डेटा केंद्रों में बड़े निवेश साकार होते हैं तो ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट्स (जीपीयू) की खेपें, जो ऐसी स्थापनाओं की रीढ़ हैं, इस 500 अरब डॉलर की प्रतिबद्धता का एक बड़ा हिस्सा बन सकती हैं। पिछले कुछ सप्ताह भारत के लिए एक बड़े बदलाव का संकेत लेकर आए हैं। भारत 2014 से ही नए व्यापार समझौते को लेकर संकोच करता रहा है। पहले के मुक्त व्यापार समझौते राजनीतिक नाराजगी का शिकार हो गए क्योंकि भारत में कुछ लोगों का मानना था कि निर्यातकों को उनसे पर्याप्त लाभ नहीं मिला।

जापान के चुनाव में ताकाइची की जीत से जमकर झूमा बाजार

नई दिल्ली। जापान की प्रधानमंत्री ताकाइची की सत्तारूढ़ पार्टी की संसदीय चुनाव में दो-तिहाई बहुमत से जीत हासिल करने का असर वैश्विक बाजार पर दिखा। टोक्यो का निक्केई 225 शेयर सूचकांक 5 प्रतिशत तक बढ़कर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। जापानी येन के मुकाबले डॉलर थोड़ा कमजोर हुआ और 156.71 येन पर कारोबार कर रहा था, जो शुक्रवार देर रात के 157.10 येन से कम है।

एनएचके ने मतगणना परिणामों का हवाला देते हुए कहा कि सोमवार सुबह तक ताकाइची की लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) ने अकेले 316 सीटें हासिल कर ली थीं। इससे उन्हें 465 सदस्यीय निचले सदन में 261 सीटों का पूर्ण बहुमत आसानी से मिल गया। यह 1955 में पार्टी की स्थापना के बाद से एक रिकॉर्ड है।

1986 में दिवंगत प्रधानमंत्री यासुहिरो नाकासोन द्वारा जीती गई 300 सीटों के पिछले रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ देता है। एस्ट्रिस एडवाइजरी जापान के प्रबंध निदेशक और रणनीति प्रमुख नील न्यूमैन ने कहा कि कुल मिलाकर, एलडीपी एक बेहद कमजोर सरकार से, जो वास्तव में कुछ भी नहीं कर सकती थी, अब निचले सदन में भारी बहुमत वाली एक अत्यंत मजबूत सरकार बन गई है, और वे वास्तव में फैसले ले सकते हैं।

मध्य फरवरी में जब निचले सदन का सत्र फिर से शुरू होगा, तो ताकाइची का पहला प्रमुख कार्य चुनाव के कारण विलंबित हुए बजट विधेयक पर काम करना होगा, ताकि बढ़ती लागत और सुस्त मजदूरी से निपटने के लिए आर्थिक उपायों को वित्त पोषित किया जा सके। एसपीआई एसेट मैनेजमेंट के स्टीफन इनेस ने एक टिप्पणी में कहा कि जापान ने अभी-अभी उस तरह का चुनावी परिणाम दिया है, जिसे बाजार स्वाभाविक रूप से स्वीकार करते हैं क्योंकि यह उस एक चीज को हटा देता है जिसे व्यापारी प्रीमियम पर आंकते हैं राजनीतिक अस्पष्टता। उन्होंने कहा कि राजनीतिक रूप से, इस जीत से प्रधानमंत्री ताकाइची को आवागमन की स्वतंत्रता मिलती है और हर निर्णय को निम्नतम स्तर तक ले जाने के लिए सौदेबाजी करने की आवश्यकता समाप्त हो जाती है। यूरोप में शुरूआती कारोबार में, जर्मनी का डीएएक्स 0.6 प्रतिशत बढ़कर 24,864.59 पर पहुंच गया, जबकि पेरिस का सीएसी 40 0.2 प्रतिशत बढ़कर 8,288.06 पर पहुंच गया। ब्रिटेन का एफटीएसई 100 0.3 प्रतिशत बढ़कर 10,399.61 पर पहुंच गया। शुक्रवार को अमेरिकी शेयर बाजार में जोरदार उछाल के बाद अमेरिकी वायदा बाजार में मामूली तेजी आई, क्योंकि प्रौद्योगिकी शेयरों ने सप्ताह की शुरूआत में हुए नुकसान की काफी हद तक भरपाई कर ली और बिटकॉइन की कीमतों में गिरावट रुक गई।

शेयर बाजार : सेंसेक्स 485 अंक चढ़ा, निफ्टी 25800 के पार

नई दिल्ली। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को भारतीय बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर आशावाद देखने को मिली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं और रियल एस्टेट शेयरों में जोरदार खरीदारी के चलते बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी ने सोमवार को लगातार दूसरे सत्र में अपनी बढ़त जारी रखी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 9 पैसे गिरकर 90.74 (अस्थायी) पर बंद हुआ।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 485.35 अंक या 0.58 प्रतिशत बढ़कर 84,065.75 पर बंद हुआ। दिन के दौरान, बेंचमार्क 734.28 अंक या 0.87 प्रतिशत बढ़कर 84,314.68 के अंतदेर्शीय उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 173.60 अंक या 0.68 प्रतिशत बढ़कर 25,867.30 पर बंद हुआ। सत्र के दौरान, सूचकांक 228.55 अंक या 0.88 प्रतिशत चढ़कर 25,922.25 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

30 शेयरों वाली कंपनियों में से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील, इटरनल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, कोटक महिंद्रा बैंक, इंडिगो, ट्रेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो, सन फार्मास्यूटिकल्स और एशियन पेंट्स लाभ कमाने वाली कंपनियां थीं।

भारत बनेगा जी20 में सबसे तेज बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली। वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने सोमवार को भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर एक उत्साहजनक रिपोर्ट जारी की है। एजेंसी ने अनुमान लगाया है कि अगले वित्त वर्ष (एफवाई27) में भारत की जीडीपी 6.4% की दर से बढ़ेगी। मूडीज के मुताबिक, इस रफ्तार के साथ भारत ऋ20 देशों के समूह में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा।

मुख्य कारण मूडीज ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया है कि भारत की इस मजबूत आर्थिक वृद्धि के पीछे मुख्य कारण घरेलू खपत और सरकार द्वारा उठाए गए नीतिगत कदम हैं। एजेंसी ने विशेष रूप से सितंबर 2025 में हुए वस्तु एवं सेवा कर के युक्तिकरण और व्यक्तिगत आयकर सीमा में की गई बढ़ोतरी का जिक्र किया है। मूडीज का मानना है कि इन सुधारों से उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति बढ़ी है, जो खपत-आधारित विकास को सहारा देगी। हालांकि, मूडीज का 6.4% का अनुमान भारत सरकार के अपने अनुमानों से थोड़ा रूढ़िवादी है।

पिछले महीने संसद में पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण में वित्त मंत्रालय ने एफवाई27 के लिए 6.8% से 7.2% की विकास दर का अनुमान लगाया था। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष (2025-26) में भारत की विकास दर 7.4% रहने की उम्मीद है, जो कि 2024-25 में दर्ज की गई 6.5% की वृद्धि से काफी बेहतर है।

अब यूपीआई के जरिए सीधे बैंक खाते में आएगा पीएफ का पैसा, अप्रैल में लॉन्च होगा नया एप

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) अपने आठ करोड़ से अधिक ग्राहकों के लिए एक बड़ी राहत लेकर आ रहा है। अब पीएफ का पैसा निकालने के लिए लंबी कागजी कार्रवाई या क्लेम प्रोसेस के इंतजार की जरूरत खत्म हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक, श्रम मंत्रालय अप्रैल में एक नया मोबाइल ऐप लॉन्च करने जा रहा है, जिसके जरिए ग्राहक यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) का इस्तेमाल कर सीधे अपने बैंक खाते में पैसे ट्रांसफर कर सकेंगे। इस नई व्यवस्था को लेकर सब्सक्राइबर्स के मन में कई सवाल हैं। यहां आसान सवाल-जवाब के जरिए समझें कि यह नया सिस्टम कैसे काम करेगा और इससे आपको क्या फायदा होगा।

रिटायरमेंट फंड बॉडी ईपीएफओ एक ऐसा सिस्टम तैयार कर रही है, जिससे मेंबर अपने पीएफ (ईपीएफ) का पैसा यूपीएफ पेमेंट गेटवे के जरिए निकाल सकेंगे। इसके लिए अप्रैल में एक डेडिकेटेड मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च की जाएगी। अभी तक पैसा निकालने के लिए क्लेम फाइल करना पड़ता था, जो एक लंबा और समय लेने वाला प्रोसेस है।

एप कैसे काम करेगा इसकी पूरी प्रक्रिया नीचे जानें-

सब्सक्राइबर्स को नए मोबाइल ऐप पर लॉग-इन करना होगा।

वहां उन्हें यह दिखेगा कि उनके पीएफ खाते में कितना बैलेंस ट्रांसफर के लिए उपलब्ध है।

ट्रांजैक्शन पूरा करने के लिए मेंबर को अपना लिंक्ड 'यूपीआई पिन' डालना होगा। इसके बाद पैसा सुरक्षित रूप से उनके बैंक खाते में ट्रांसफर हो जाएगा।

पीएफ का पूरा पैसा नहीं निकाला जा सकेगा। फंड का एक निश्चित हिस्सा फ्रीज रहेगा, जबकि एक बड़ा हिस्सा निकासी के लिए उपलब्ध होगा।

नहीं। मौजूदा समय में मेंबर्स यूएएन पोर्टल या उमंग एप के जरिए अपनी सेवाएं एक्सेस करते हैं। सूत्रों ने साफ किया है कि ये दोनों प्लेटफॉर्म पहले की तरह काम करते रहेंगे। नया एप केवल सेवाओं की पहुंच और डिलीवरी को बेहतर बनाने के लिए लाया जा रहा है। यह सुविधा कब से शुरू होगी?

हर साल ईपीएफओ के पास पांच करोड़ से अधिक दावे आते हैं, जिनमें अधिकतर निकासी के लिए होते हैं। इससे सिस्टम पर बहुत बोझ पड़ता है।

चूंकि ईपीएफओ के पास बैंकिंग लाइसेंस नहीं है, इसलिए वह सीधे पैसे निकालने की अनुमति नहीं दे सकता, लेकिन वह अपनी सेवाओं को बैंकों के स्तर पर ले जाना चाहता है।

रोचक तथ्यों का करंट

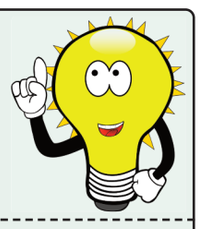

- दोस्तों क्या आपने कभी नीले रंग के अंडे देखे हैं? कैसे इन अण्डों में नीला रंग आया, इसके पीछे एक बहुत ही रोचक कहानी है। एक अध्ययन के अनुसार, 500 साल पहले एक वायरस ने दक्षिणी अमेरिकी देसी मुर्गियों की एक प्रजाति को संक्रमित कर दिया था। यह संक्रमड अनुवांशिक उत्परिवर्तन का कारण बन गया, जो की एक रंगद्रव्य को संचयित करता है जिसे बिलिवरडीन कहा जाता है, नतीजन मुर्गियों ने नीले अंडे देने शुरू कर दिया।
- एक एवरेज मुर्गी एक साल में 300 से 325 अंडे तक देती है।
- आप यह कैसे पता करते हैं कि अंडा अच्छे से बॉईल हो गया है या कच्चा है, अनुभवी लोगों के लिए तो यह बताना उनके बाएं हाथ का खेल है, पर आपके पता करने के लिए बता दूँ अंडे को घुमाइये अगर यह आसानी से घूमने लगे तो समझ लिजिये अंडा अच्छे से बॉईल हो चूका है, और यदि न घूमे तो इसे और बॉईल कर लीजिए।
- केवल अंडे की प्रोटीन में आवश्यक अमीनो एसिड का सही मिश्रण होता है, जो मनुष्यों द्वारा उनके tissues तिस्सुज निर्माण करने के लिए बहुत जरुरी होता है। यकींन मानिए दोस्तों यह मनुष्य के पोषण के लिए माँ के दूध के बाद दूसरे नंबर पर आता है।

राशिफल

मेष: दिक्कतों का तेजी से मुकाबला करने की क्षमता खास पहचान दिलाएगी। जीवन साथी के किसी अचानक काम की वजह से आपकी योजनाएँ बिगड़ सकती हैं।

वृष: आज के दिन भाग्य पूरा साथ देगा। सारे पुराने काम पूरे होंगे। मन में किसी काम को लेकर थोड़ी परेशानी हो सकती है, लेकिन जल्द ही परेशानी दूर हो जाएंगी।

मिथुन: ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी फायदेमन्द साबित होंगे। आपकी मनोकामनाएं दुआओं के जरिए पूरी होंगी।

कर्क: आज आपको कोई सकारात्मक समाचार मिल सकता है। अपने श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिये तैयार रहें। आपको किसी प्रकार के बदलाव करने पड़ सकते है।

सिंह: आज का दिन धार्मिक कार्यों में बीतेगा। किसी धार्मिक स्थान पर घूमने जा सकते है। आपको रोजगार के उचित अवसर प्राप्त होंगे।

कन्या: ऐसी गतिविधियों में संलग्न रहें, जो आपको सुकून दें। आपके खर्चे बजट को बिगाड़ सकते हैं और इसलिए कई योजनाएँ बीच में अटक सकती हैं।

तुला: आलस्य को त्यागकर कार्यों को समय पर करने से सफलता प्राप्त होगी। सोच-समझकर व्यय करें। स्वजनों और स्नेहीजनों के साथ मतभेद खड़े हों सकते है।

वृश्चिक: आज का दिन अच्छा रहेगा। दोस्तों के साथ लॉग ड्राइव पर जा सकते है। आज किसी नये व्यवसाय में पैसा लगाने से आपको दोगुना धनलाभ का योग है।

धनु: पीने की आदत को अलविदा कहने के लिए बहुत ही अच्छा दिन है। आपको समझना चाहिए कि शराब सेहत की सबसे बड़ी दुश्मन है।

मकर: आज किसी नए कार्य का प्रारंभ न करें और क्रोध एवं आवेश में वृद्धि न आए इसका ध्यान रखें।

कुंभ: आज का दिन अनुकूल रहेगा. आज नए दोस्त बनाने से पहले उसके बारे में पूरी जानकारी कर लें। उसे भली-भांति समझ कर दोस्ती का हाथ बढ़ाएं।

मीन: सेहत से जुड़े कार्यक्रमों को फिर से शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। दूसरों को प्रभावित करने के लिए जरूरत से ज्यादा खर्चा न करें।

चुटकुले

पति बाहर बैठे अखबार पढ़ रहा था।
पत्नी- मैंने तुम्हारे मोबाइल में कुछ देखा है,
एक बार पढ़ने के बाद अंदर आओ मुझे कुछ बात करनी है।
पूरा दिन हो गया पति अभी तक अखबार ही पढ़ रहा है।

बेबी तुम एक हफ्ते में कितनी बार दाढ़ी बनाते हो।
लड़का- दिन में 10-20 बार बना लेता हूं।
लड़की- बेबी तुम पागल हो इतनी बार दाढ़ी कौन बनाता है?
लड़का- अरे मैं हेयर ड्रेसर हूं।

पत्नी- आज डिनर में मैंने तुम्हारे लिए स्पेशल डिश बनाई है,
खाते ही सारी गर्मी दूर हो जाएगी।
पति -अब ऐसा क्या बना दिया तुमने.....
पत्नी-नवरत्न तेल में पकौड़े।

10 02 2026 करंट क्राइम

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

आज के जन्मदिन

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

सूर्यकुमार की कप्तानी पर क्या बोले कोच गंभीर कहा- उन्होंने मेरी जिंदगी बहुत आसान बना दी

नई दिल्ली। गंभीर ने कहा, 'सूर्यकुमार ने इस प्रारूप में मेरा काम बहुत आसान कर दिया है। वह लोगों के लिए एक बेहतरीन कप्तान हैं, यह सिर्फ इसलिए नहीं कि वह मैदान पर क्या करते हैं, या बल्लेबाज के रूप में कैसे हैं, या उनके शॉट्स इस प्रारूप में कैसे हैं।'

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने सूर्यकुमार यादव की संयमित नेतृत्व क्षमता की तारीफ करते हुए कहा कि टी20 प्रारूप में कप्तान के तौर पर वह सभी कसौटी पर खरे उतरते हैं और इससे उनका दबाव भरा काम थोड़ा आसान हो जाता है।

स्टार स्पोर्ट्स द्वारा साझा किए गए एक छोटे वीडियो में गंभीर ने कहा कि मौजूदा टी20 विश्व कप में सूर्यकुमार जैसे आक्रामक बल्लेबाज का कप्तान होना भारत के लिए सौभाग्य की बात है। इस वीडियो में यह नहीं पता चल रहा है कि गंभीर ने यह बयान कब दिया है।

गंभीर ने कहा, 'सूर्यकुमार ने इस प्रारूप में मेरा काम बहुत आसान कर दिया है। वह लोगों के लिए एक बेहतरीन कप्तान हैं, यह सिर्फ इसलिए नहीं कि वह मैदान पर क्या करते हैं, या बल्लेबाज के रूप में कैसे हैं, या उनके शॉट्स इस प्रारूप में कैसे हैं।'

उन्होंने कहा, 'कोच के तौर पर कभी-कभी आपके दिमाग में कई बातें चल रही होती हैं, लेकिन जब आप जानते हैं कि सूर्यकुमार माहौल को शांत बनाए रखेंगे, जैसा किसी भी कोच का सपना होता है, तो बहुत कुछ आसान हो जाता है।'

भारत ने सूर्यकुमार की शानदार बल्लेबाजी के बूते शनिवार को विश्व कप के अपने शुरूआती मैच में अमेरिका को हराया। भारतीय कप्तान ने एक छोर से विकेटों के पतझड़ के बीच 49 गेंदों में नाबाद 84 रन के साथ पारी को संभाला था। भारतीय टीम बृहस्पतिवार को अब दिल्ली में नामीबिया के खिलाफ खेलेगी।

गंभीर ने कहा, 'मेरे लिए खिलाड़ी सूर्यकुमार को अलग रखा जा सकता है, लेकिन कप्तान सूर्यकुमार के तौर पर उन्होंने हर कसौटी पर खरा उतरकर मेरी जिंदगी बहुत आसान बना दी है। वह वास्तव में एक शानदार नेतृत्वकर्ता हैं।'

उन्होंने कहा, 'यह बहुत अच्छा है कि देश का नेतृत्व उनके जैसे खिलाड़ी के हाथ में है, क्योंकि उनका दिल सही जगह पर है और दबाव में वह सही निर्णय लेते हैं।' 35 साल के सूर्यकुमार यादव दो साल पहले रोहित शर्मा की कप्तानी में टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। रोहित के इस प्रारूप से संन्यास के बाद उन्हें टीम की कमान सौंपी गयी।

बहिष्कार की हवा निकली ! पाकिस्तान की नई चाल भारत से खेलने के लिए अब शर्तों की ढाल लेकर आया

रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान भारत से खेलने के लिए तैयार है, लेकिन उसने आईसीसी के सामने रेवेन्यू शेयर, द्विपक्षीय सीरीज और प्रोटोकॉल से जुड़ी तीन शर्तें रखी हैं। लाहौर में हुई बैठक के बाद अब फैसले का इंतजार है।

दुबई। भारत-पाकिस्तान मुकाबले पर छाया सस्पेंस अब नए मोड़ पर पहुंच गया है। जिस मैच को लेकर बहिष्कार की बात सामने आई थी, उसी पर अब यू-टर्न की खबरें आ रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) भारत के खिलाफ खेलने को तैयार है, लेकिन उसने आईसीसी के सामने तीन अहम शर्तें रख दी हैं।

भारत-पाकिस्तान मैच के लिए अगले 24 घंटे अहम, कठउ के साथ बैठक के बाद पीसीबी को लेना है अंतिम फैसला

पाकिस्तान यू-टर्न लेगा या जिद पर रहेगा, कब होगा फैसला? आईसीसी के साथ लाहौर में हुई नकवी की बैठक

लाहौर में रविवार, 8 फरवरी को पीसीबी और आईसीसी के बीच हाई-लेवल बैठक हुई। यह बातचीत ऐसे समय में हुई जब ग्रुप स्टेज में दोनों टीमों की भिड़ंत में अब ज्यादा समय नहीं बचा है। आईसीसी चाहता है कि दुनिया के सबसे हाई-वोल्टेज और कमाई

वाले मुकाबले पर किसी तरह का खतरा न रहे।

इन मांगों ने साफ कर दिया है कि मामला सिर्फ एक मैच का नहीं, बल्कि लंबे समय के रिश्तों और आर्थिक हिस्सेदारी का भी है। हालांकि, पाकिस्तान की इन मांगों का कोई मतलब नहीं बनता, क्योंकि भारत लंबे समय से पाकिस्तान से द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेलता। जहां तक आईसीसी रेवेन्यू में बड़े हिस्से की बात है तो यह तभी संभव है जब आप आईसीसी को उतना रेवेन्यू जनरेट करके दें। भारत क्रिकेट का बड़ा मार्केट है। पाकिस्तान क्रिकेट के बिग थ्री में भी नहीं आता है।

विवाद की शुरूआत कैसे हुई

पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब पाकिस्तान सरकार ने सार्वजनिक रूप से एलान किया कि टीम भारत के खिलाफ नहीं खेलेगी, भले ही मैच न्यूट्रल वेन्यू पर क्यों न हो। सरकार ने इसके पीछे स्पष्ट वजह नहीं बताई क्रिकेट जगत में यह माना गया कि पाकिस्तान का रुख बांग्लादेश के समर्थन में है, जिसने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए अपने मैच भारत से बाहर कराने की मांग की थी, जिसे आईसीसी ने खारिज कर दिया।

बातचीत की कोशिशें तेज

तनाव बढ़ने के बाद आईसीसी ने तुरंत पहल की। लाहौर में हुई बैठक में पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी, आईसीसी डिप्टी चेयरमैन इमरान ख्वाजा और बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम बुलबुल मौजूद रहे। आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता वर्चुअली जुड़े। क्रिकबज के मुताबिक, बांग्लादेश भी आईसीसी से मुआवजे की मांग कर सकता है, और इस समझौते को आगे बढ़ाने में पाकिस्तान की भूमिका अहम हो सकती है।

फैसला किस दिशा में

अब सबकी नजर इस बात पर है कि आईसीसी इन शर्तों पर क्या रुख अपनाता है। अगर कोई रास्ता निकलता है तो क्रिकेट फैंस को राहत मिलेगी, क्योंकि भारत-पाकिस्तान मैच सिर्फ खेल नहीं, बल्कि वैश्विक इवेंट है।

टी-20 में टेस्ट जैसा स्ट्राइक रेट फिर भी टीम में, बेंच पर बैठे हैं विस्फोटक फखर जमां

नई दिल्ली। नीदरलैंड्स के खिलाफ मैच में बाबर आजम की धीमी पारी ने पाकिस्तान की जीत के बावजूद टीम कॉम्बिनेशन पर बहस छेड़ दी है। नंबर चार पर उनकी भूमिका, स्ट्राइक रेट और मौजूदा टॉप ऑर्डर की फॉर्म को देखते हुए सवाल उठ रहा है कि क्या वह अब भी इस टी20 सेटअप में फिट बैठते हैं या बदलाव का वक्त आ गया है।

पाकिस्तान की क्रिकेट टीम और टीम मैनेजमेंट की एक बड़ी समस्या यह है कि वह अहम मौकों पर अपने स्टार खिलाड़ियों को ही बाहर बैठा देता है। जिस टी20 फॉर्मेट में ऐसे बल्लेबाजों की जरूरत होती है, जो तेजी से रन बटोर सकें, वहीं पाकिस्तान उन बल्लेबाजों को मौका दे रहा है, जो टी20 में टेस्ट जैसे स्ट्राइक रेट से खेलता है। जी हां, हम बात कर रहे हैं बाबर आजम की। बाबर भले ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हों, लेकिन उनका स्ट्राइक रेट हमेशा सवालों के घेरे में रहा है। वह पाकिस्तान के लिए मैच विनर नहीं, बल्कि सिरदर्द साबित हो रहे हैं। उनकी वजह से पाकिस्तान की टीम फखर जमां जैसे विस्फोटक बल्लेबाज को नहीं खिला पा रही है।

जीत मिली, लेकिन खुल गई पोल: पाकिस्तान ने नीदरलैंड्स को

हरा तो दिया, मगर यह जीत जितनी आसान दिखनी चाहिए थी, उतनी रही नहीं। कागज पर समीकरण साफ था, 53 गेंद में 50 रन, हाथ में सात विकेट। टी-20 में इसे लगभग औपचारिकता माना जाता है, लेकिन नंबर चार पर उतरे बाबर आजम 18 गेंद में सिर्फ 15 रन बनाकर आउट हो गए। यहीं से असली बहस शुरू होती है कि क्या बाबर आजम मौजूदा टी20 प्लान में सही जगह पर हैं?

टी-20 क्रिकेट अब इरादों का खेल है। खासकर नंबर चार पर बल्लेबाज से उम्मीद होती है कि वह आते ही मैच की रफ्तार बढ़ाए। बाबर को 'किंग बाबर' कहा जाता है, लेकिन उनकी बल्लेबाजी 'जिम-बाबर' जैसी है। जिम बाबर इसलिए क्योंकि उनके देश के फैंस ही मानते हैं कि बाबर सिर्फ जिम्बाब्वे के खिलाफ ही रन बनाते हैं। हर देश के पास नंबर चार पर विस्फोटक बल्लेबाज हैं, जो मैदान पर आते ही पहली ही गेंद से चौथी गियर पर बल्लेबाजी करे, लेकिन पाकिस्तान उस बल्लेबाज को खिलाता है, जिसे स्ट्राइक रोटेट करने और गेंद को समझने में वक्त चाहिए।

बाबर के करियर आंकड़ों पर नजर डालें तो चौथे पोजिशन पर उनका औसत सबसे कम और स्ट्राइक रेट भी नीचे की तरफ है। यानी भूमिका की मांग और खिलाड़ी की प्राकृतिक शैली में मेल नहीं दिखता। बाबर एंकर की भूमिका में बेहतरीन रहे हैं, चाहे वह पारी संभालना, लंबा खेलना, गैप ढूंढना, लेकिन नंबर चार पर अक्सर 10-12 गेंद में मैच बदलने की जरूरत होती है। बाबर वनडे और टेस्ट में भले ही इस नंबर या नंबर तीन पर फिट बैठते हों, लेकिन टी20 टीम में उनकी कोई

बाबर आजम के टी-20 अंतरराष्ट्रीय आंकड़ों (बैटिंग पोजिशन के हिसाब से)

बल्लेबाजी क्रम	पारियां	सर्वोच्च स्कोर	रन	औसत	स्ट्राइक रेट
ओपनिंग	87	122	2973	38.12	130.57
नंबर 3	40	86	1372	42.88	125.64
नंबर 4	5	50*	134	33.50	114.53
नंबर 5	1	41	41	41.00	100.00
कुल	133	122	4520	39.30	128.15

जगह नहीं बनती। साथ में बाबर का खराब फॉर्म भी पाकिस्तान टीम मैनेजमेंट को नजर नहीं आ रहा है।

ऊपर जगह है ही नहीं

तुरंत सवाल आता है कि तो क्या उन्हें फिर से टॉप ऑर्डर में भेजा जाए? मौजूदा हालात में यह भी आसान नहीं। सैम अयूब और साहिबजादा फरहान आक्रामक बल्लेबाजी करते हैं और अच्छी लय में हैं। ओपनिंग जोड़ी को छेड़ना टीम मैनेजमेंट नहीं चाहेगा। नंबर तीन पर सलमान आगा ने हाल के मैचों में जिस स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं, उसने उस जगह को लगभग लॉक कर दिया है। ऐसे में बाबर के लिए पारंपरिक भूमिका वाली सीट खाली नहीं दिखती। ऐसे में सही यही होगा कि फखर जमां को टीम सेटअप में मौका मिले। क्योंकि वसीम अकरम और वकार यूनुस जैसे पाकिस्तान के दिग्गज खुद यही मानते हैं कि अगर लक्ष्य बड़ा हो जिसमें 200+ रन चेज करना पड़े या फिर पहले बल्लेबाजी करते हुए बड़ा स्कोर सेट करना हो तो फखर जमां से बेहतरीन बल्लेबाज टीम में कोई नहीं है।

जिद या जरूरत?

पाकिस्तान को कठोर फैसला लेना पड़ सकता है। बड़े नाम हमेशा बड़ी जगह की गारंटी नहीं होते, खासकर टी20 में। टीम बैलेंस ज्यादा अहम है। अगर किसी खिलाड़ी की शैली मौजूदा प्लान से मेल नहीं खा रही, तो बदलाव पर सोचना ही पड़ेगा।

बेंच पर बैठे फखर जमां उसी तरह की विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं, जिसकी नंबर चार पर जरूरत है।

जिम्बाब्वे के खिलाफ ओमान की पारी लड़खड़ाई, सात बल्लेबाज पवेलियन लौटे

कोलंबो। जिम्बाब्वे और ओमान के बीच टी20 विश्व कप के ग्रुप बी का मुकाबला खेला जा रहा है। यह मैच कोलंबो के एसएससी क्लब में हो रहा है। जिम्बाब्वे ने इस मैच में टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया है।

जिम्बाब्वे और ओमान के बीच टी20 विश्व कप के ग्रुप बी का मुकाबला खेला जा रहा है। जिम्बाब्वे ने इस मैच में टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया है। ओमान की बल्लेबाजी जारी है। जिम्बाब्वे ने हालांकि, ओमान की पारी लड़खड़ा दी है।

ओमान की खराब शुरूआत

पहले बल्लेबाजी करते हुए ओमान की शुरूआत अच्छी नहीं रही है और जिम्बाब्वे ने उसे शुरूआती झटके दिए। मुजरबानी ने सबसे पहले कप्तान जतिंदर सिंह को बोल्ड किया जो पांच रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद नगारवा ने हमाद मिर्जा को खाता खोले बिना पवेलियन भेजा। मुजरबानी ने फिर शानदार गेंदबाजी जारी रखते हुए आमिर कलीम को पांच रन और करन को खाता खोले बिना आउट

किया। ओमान को पांचवां झटका वसीम अली के रूप में लगा जो तीन रन बनाकर आउट हुए।

सुफ्यान-शुक्ला के बीच साझेदारी

ओमान ने 27 रन के स्कोर पर पांच विकेट गंवा दिए थे, लेकिन इसके बाद सुफ्यान महमूद और विनायक शुक्ला ने साझेदारी जमाई। हालांकि, दोनों के बीच छठे विकेट के लिए 42 रनों की साझेदारी हुई जिसे नगारवा ने शुक्ला को आउट कर तोड़ा। शुक्ला 21 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 28 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद नगारवा ने जितेन रमानंदी को आउट किया जिन्होंने एक रन बनाए।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

जिम्बाब्वे : ब्रायन बेनेट, तादिवनाशे मारुमनी, डियोन मायर्स, ब्रेंडन टेलर (विकेटकीपर), सिकंदर रजा (कप्तान), रेयान बर्ल, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्रैड इवांस, वेलिंगटन मसाकद्जा, रिचर्ड नगारवा, ब्लेसिंग मुजरबानी।

ओमान : जतिंदर सिंह (कप्तान), आमिर कलीम, हमाद मिर्जा, वसीम अली, करन सोनावले, जितेन रमानंदी, विनायक शुक्ला (विकेटकीपर), सुफ्यान महमूद, नदीम खान, शाह फैजल, शकील अहमद।

टी-20 विश्वकप डेब्यू मैच में हारी इटली की टीम, स्कॉटलैंड ने 73 रन से हासिल की जीत

कोलकाता। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में ग्रुप-सी के मुकाबले में डेब्यू कर रही इटली ने कोलकाता के ऐतिहासिक ईडन गार्डेन्स में टॉस जीतकर स्कॉटलैंड को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड ने 20 ओवर में चार विकेट गंवाकर 207 रन बनाए। जवाब में इटली की टीम 16.4 ओवर में 134 रन पर सिमट गई। टी20 अंतरराष्ट्रीय में स्कॉटलैंड और इटली की टीमें तीन बार आमने-सामने आई हैं और हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 2-1 का है। खास बात यह है कि ये तीनों मुकाबले आईसीसी इवेंट्स में हुए हैं।

इटली की पारी

इटली को पारी की पहली ही गेंद पर झटका लगा। स्पिनर लीस्क की गेंद पर जस्टिन मोस्का कैच आउट हो गए। इसके बाद जेजे स्मट्स और एंथनी मोस्का के बीच दूसरे विकेट के लिए 18 गेंद मं 32 रन की साझेदारी हुई। एंथनी 12 गेंद में 13 रन और स्मट्स 11 गेंद में दो चौके और दो छक्कों की मदद से 22 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद हैरी मेनेंटी और बेन मेनेंटी ने चौथे विकेट के लिए 45 गेंद में 73 रन की साझेदारी निभाई। हालांकि, इस साझेदारी के टूटते ही इटली की पारी लुढ़क गई।

हैरी 25 गेंद में एक चौका और तीन छक्के की मदद से 37 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, बेन 31 गेंद में पांच चौके और एक छक्के की मदद से 52 रन बनाकर आउट हुए। ग्रांट स्टीवार्ट दो रन, क्रिशन कलुगमागे तीन रन, थॉमस ड्राका दो रन बनाकर आउट हुए। वहीं, जियान मीड, अली हसन खाता नहीं खोल सके। कप्तान बेन मैडसन बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे,

क्योंकि फील्डिंग करते वक्त उन्हें चोट लगी थी। ऐसे में इटली की टीम 134 रन पर खत्म हो गई। स्कॉटलैंड की ओर से माइकल लीस्क ने चार विकेट लिए, जबकि मार्क वाट को दो विकेट मिले। ब्रैड करी, ब्रैड व्हील और ओलीवर डेविडसन को एक-एक विकेट मिला।

स्कॉटलैंड की पारी: स्कॉटलैंड की शुरूआत बेहतरीन रही थी। जॉर्ज मुनसे और माइकल जोंस ने पहले विकेट के लिए 126 रन की साझेदारी की।

मुनसे शतक से चूक गए। वह 54 गेंद में 13 चौके और दो छक्कों की मदद से 84 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें ग्रांट स्टीवार्ट ने हैरी के हाथों कैच कराया। इसके बाद माइकल जोंस को जेजे स्मट्स ने पवेलियन भेजा। वह 30 गेंद में एक चौका और दो छक्कों की मदद से 37 रन बना सके।

कप्तान रिची बेरिंग्टन 11 गेंद में 15 रन और टॉम ब्रूस एक रन बना सके। आखिर में ब्रैंडन मैकमुलेन ने 18 गेंद में चार छक्कों की मदद से 41 रन और माइकल लीस्क ने पांच गेंद में दो चौके और दो छक्कों की मदद से 22 रन की नाबाद तूफानी पारी खेली। इटली की ओर से अली हसन, ग्रांट स्टीवार्ट, थॉमस ड्राका और जेजे स्मट्स ने एक-एक विकेट लिया।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

इटली : एंथनी मोस्का, जस्टिन मोस्का, जेजे स्मट्स, वेन मैडसन (कप्तान), हैरी मैनेंटी, बेन मैनेंटी, ग्रांट स्टीवर्ट, जियान-पिएरो मीड (विकेटकीपर), मार्कस कैंपोपीयानो, क्रिशन कालुगामागे, अली हसन।

स्कॉटलैंड : जॉर्ज मुंसी, माइकल जोन्स, ब्रैंडन मैकमुलेन, रिची बेरिंगटन (कप्तान), टॉम ब्रूस, मैथ्यू क्रॉस (विकेटकीपर), मार्क वाट, माइकल लिस्क, ओलिवर डेविडसन, ब्रैड व्हील, ब्रैड करी।

किम कर्दाशियन और लुईस हैमिल्टन ने रिश्ते पर लगाई मुहर

कैलिफॉर्निया। सुपर बाउल एलएक्स में किम कर्दाशियन और लुईस हैमिल्टन की साथ मौजूदगी ने उनके रिश्ते को लेकर चल रही चचाओं को नई हवा दे दी। यूरोप में साथ वक्त बिताने की खबरों के बाद यह पहली बड़ी सार्वजनिक उपस्थिति थी। फिलहाल दोनों ने चुप्पी साध रखी है, लेकिन तस्वीरें बहुत कुछ कह रही हैं।

सुपर बाउल एलएक्स के दौरान एक ऐसी तस्वीर सामने आई जिसने एंटरटेनमेंट दुनिया में हलचल मचा दी। किम कर्दाशियन और फॉमूर्ला-वन स्टार लुईस हैमिल्टन कैलिफोर्निया के सांता क्लारा स्थित लेवीज स्टेडियम में मैच का आनंद लेते हुए साथ दिखाई दिए इंटरनेशनल ब्रॉडकास्ट में दोनों को साथ देखकर रिश्ते को लेकर चल रही अटकलों ने और जोर पकड़ लिया। कई वर्षों से दोस्त रहे किम (45) और हैमिल्टन (41) को पहली बार इस तरह आधिकारिक अंदाज में साथ देखा गया तो फैंस कहने लगे कि दोनों ने अपना रिश्ता लगभग ऑफिशियल कर दिया है।

इस खास मौके पर किम ने ब्लैक कोट और डायमंड चोकर पहना था। उन्होंने नए बैंग्स हेयरस्टाइल के साथ एंट्री ली। उनके हेयरस्टाइलिस्ट क्रिस एपलटन ने मैच से पहले फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'सुपर बाउल बैंग्स।' वे कॉट्सवॉल्ड्स के एस्टेल मैनर में ठहरे, जहां प्राइवेट डिनर की खबरें भी सामने आईं। इसके बाद लंदन और फिर पेरिस तक उनका सफर चला।

भारत-पाकिस्तान मैच के लिए अगले 24 घंटे अहम

आईसीसी के साथ बैठक के बाद पीसीबी को लेना है अंतिम फैसला

दुबई। लाहौर में आईसीसी, पीसीबी और बीसीबी की मैराथन बैठक के बाद अब भारत-पाकिस्तान मैच पर फैसला अगले 24 घंटों में आ सकता है। रेवेन्यू और वैश्विक दबाव के बीच सबकी नजर पीसीबी के अंतिम कदम पर टिकी है।

भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला मुकाबला हमेशा सिर्फ क्रिकेट नहीं रहता, उसके साथ भावनाएं, राजनीति और भारी आर्थिक दांव भी जुड़े होते हैं। टी20 विश्व कप 2026 में 15 फरवरी को प्रस्तावित मैच को लेकर भी स्थिति बेहद संवेदनशील बनी हुई है। पाकिस्तान द्वारा बांग्लादेश के समर्थन में भारत से खेलने से इनकार करने के बाद इस मुकाबले पर अनिश्चितता के बादल छा गए हैं।

लाहौर में पांच घंटे चली बैठक

रविवार को इस मसले पर लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में आईसीसी, पीसीबी और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के बीच उच्चस्तरीय बैठक हुई। यह बैठक पांच घंटे से ज्यादा चली। इसमें पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी, आईसीसी उपाध्यक्ष इमरान ख्वाजा और बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम मौजूद रहे। आईसीसी की कोशिश साफ थी, किसी तरह विवाद को खत्म कर भारत-पाकिस्तान मैच को तय कार्यक्रम के अनुसार कराया जाए।

एक मंच पर आए बोर्ड

बीसीबी प्रमुख का लाहौर पहुंचना इस बात का संकेत माना जा रहा है कि आईसीसी सभी पक्षों को साथ लेकर समाधान निकालना चाहता है। सूत्रों के मुताबिक बातचीत में पाकिस्तान और बांग्लादेश के विचार कई मुद्दों पर मिलते-जुलते रहे, जिससे मामला और दिलचस्प हो गया है।

रेवेन्यू पर टिकी नजर

आईसीसी के सामने सबसे बड़ी चिंता आर्थिक है। भारत-पाकिस्तान मैच टूनामेंट का सबसे बड़ा रेवेन्यू जेनरेटर माना जाता है। ब्रॉडकास्ट राइट्स, स्पॉन्सरशिप और विज्ञापनों का बड़ा हिस्सा इसी मुकाबले से जुड़ा है। अगर मैच नहीं होता है, तो उसकी मार सभी सदस्य बोर्ड्स की कमाई पर पड़ सकती है।

अब पीसीबी की बारी

जानकारी के मुताबिक लंबी चर्चा के बाद पीसीबी ने अगले 24 घंटों में अपना अंतिम रुख साफ करने का संकेत दिया है। माना जा रहा है कि बोर्ड फैसला लेने से पहले पाकिस्तान सरकार से भी सलाह करेगा। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से परामर्श के बाद ही 2 फरवरी को भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार की घोषणा की गई थी। अब देखना होगा कि बैठक के बाद रुख में नरमी आती है या जिद बरकरार रहती है।

भांबरी-धाक्षिणेश्वर की मैराथन डबल्स जीत भारत 2-1 से नीदरलैंड्स के खिलाफ आगे

भांबरी और धाक्षिणेश्वर ने मैराथन डबल्स मुकाबला जीतकर भारत को डेविस कप टाई में 2-1 की बढ़त दिलाई। तीन घंटे चले मैच में भारतीय जोड़ी ने नीदरलैंड्स को कड़े संघर्ष में हराया।

नई दिल्ली। युकी भांबरी और धाक्षिणेश्वर सुरेश ने रविवार को खेले गए डेविस कप क्वालिफायर्स राउंड-1 मुकाबले में नीदरलैंड्स के खिलाफ रोमांचक डबल्स मैच जीतकर भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी। भारतीय जोड़ी ने तीन घंटे तक चले मैराथन मुकाबले में डेविड पेल और सैंडर आरेंड्स को 7-6 (0), 3-6, 7-6 (1) से हराया। कप्तान रोहित राजपाल का एन. श्रीराम बालाजी की जगह धाक्षिणेश्वर को उतारने का फैसला निर्णायक साबित हुआ। 1-1 की बराबरी के बाद दोनों टीमें बढ़त हासिल करने के लिए बेताब थीं और यह मैच धैर्य, मानसिक मजबूती और दबाव में संयम की कड़ी परीक्षा बन गया।

पहला सेट

पहले सेट में भांबरी की सर्विस लगातार दबाव में रही, खासकर सातवें गेम में जब उनके पहले सर्विस ने साथ छोड़ दिया। 30-ऑल पर डबल फॉल्ट

से डच जोड़ी को ब्रेक प्वाइंट मिला, लेकिन भांबरी ने सटीक रिटर्न से खतरा टाल दिया।

इसके बाद धाक्षिणेश्वर ने गेम प्वाइंट पर आसान बैकहैंड वॉली चूक दी और आरेंड्स के अटपटे लेकिन असरदार ओवरहेड स्मैश से मेहमान टीम को फिर मौका मिला, मगर भारतीय जोड़ी ने किसी तरह गेम बचा लिया। 11वें गेम में भारत को पांच ब्रेक प्वाइंट झेलने पड़े, लेकिन भांबरी और धाक्षिणेश्वर ने सभी खतरे टालते हुए सर्विस बचाई, जिससे दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। आखिरकार सेट टाईब्रेक में पहुंचा, जहां भारतीय जोड़ी ने गियर बदलते हुए बिना एक भी अंक गंवाए टाईब्रेक अपने नाम कर लिया।

दूसरा सेट

दूसरे सेट में मैच का रुख बदल गया। पेल की सर्विस पर भारतीय टीम मौके नहीं भुना सकी, जबकि भांबरी की डबल फॉल्ट से नीदरलैंड्स को अहम ब्रेक मिला। आरेंड्स ने शानदार बैकहैंड वॉली रिटर्न विनर लगाकर बढ़त बनाई और डच जोड़ी ने सेट जीतकर मुकाबला बराबर कर दिया।

तीसरा सेट

निर्णायक सेट में दोनों टीमों के बीच जबरदस्त संघर्ष देखने को मिला। भारत को शुरूआती ब्रेक के कई मौके मिले, लेकिन वे उन्हें भुना नहीं सके। धाक्षिणेश्वर ने दबाव में शानदार खेल दिखाते हुए ब्रेक प्वाइंट बचाया। मैच का निर्णायक मोड़ तब आया जब आरेंड्स ने बाएं हाथ की चोट के कारण मेडिकल टाइमआउट लिया।

इसके बाद उनकी सर्विस की धार कम हो गई, जिसका फायदा उठाकर भारतीय जोड़ी ने आखिरकार नियंत्रण हासिल किया और टाईब्रेक में मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने टाई में 2-1 की अहम बढ़त बना ली है। अब रिवर्स सिंगल्स में सुमित नागल का सामना जेस्पर डी यॉन्ग से होगा, जबकि इसके बाद धाक्षिणेश्वर सुरेश का मुकाबला गाय डेन ओडन से तय है।

वार्षिक उत्सव 'सप्तरंग' का आयोजन बच्चों ने दिए सामाजिक संदेश

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद के सदरपुर (मधुबन बापूधाम) स्थित एक विद्यालय में वार्षिक उत्सव 'सप्तरंग' धूमधाम से मनाया गया। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम 'कहानी, किस्से और सीख' रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि बीएसए ओ.पी. यादव, विशिष्ट अतिथि राजकुमार वर्मा और राजीव जी द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

उत्सव में कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों ने नाटिकाओं और प्रस्तुतियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, बड़ों के सम्मान, मोबाइल की लत से दूर रहने और स्वस्थ भोजन अपनाने जैसे महत्वपूर्ण संदेश दिए। बच्चों ने सूर्य नमस्कार और योग की प्रस्तुति देकर स्वस्थ जीवनशैली का संदेश भी दिया। कक्षा 6 के छात्रों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' नाटक के जरिए भारतीय सेना के शौर्य को मंच पर प्रस्तुत किया, वहीं मनोरंजन के लिए जोकर एक्ट भी आकर्षण का केंद्र रहा। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि बच्चों का सर्वांगीण विकास, संस्कार और अनुशासन ही शिक्षा का मुख्य उद्देश्य है। मुख्य अतिथि ने बच्चों द्वारा मोबाइल से दूरी और संस्कारों को अपनाने के संदेश की सराहना की। कार्यक्रम में छात्रों की प्रस्तुतियों को अभिभावकों से खूब सराहना मिली।

पटेल नगर बी-ब्लॉक में विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पटेल नगर-2 स्थित बी-ब्लॉक में रविवार को विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में सनातन एवं हिंदुत्व विषय पर ब्रिज धाम से आए मंडलेश्वर मुनिराज महाराज ने मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में हिंदू समाज के लोग उपस्थित रहे, जिनकी संख्या एक हजार से अधिक बताई गई।

सम्मेलन को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, गाजियाबाद महानगर के कार्यवाह अभिषेक सचदेवा ने पंच परिवर्तन विषय पर संबोधित किया। वहीं विश्व हिंदू परिषद से जुड़े विनय कक्कड़ ने ह्यसंघ की 100 वर्ष की यात्राह्न विषय पर अपने विचार रखे। वक्ताओं ने समाज में समरसता, संगठन और राष्ट्रहित में एकजुटता बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया।

कार्यक्रम के दौरान समिति के संघरक्षक महंत विजय गिरी ने उपस्थित लोगों को सामाजिक एकता और आपसी सहयोग का संदेश दिया।

सम्मेलन का आयोजन पटेल नगर की स्थानीय समिति द्वारा किया गया। आयोजन में समिति के अध्यक्ष प्रवीण शर्मा, सचिव अनुज सहित चंद्र मोहन, मोहन लाल, विजय, गौरव, सुधीर, अशोक, देवेंद्र और अतुल की सक्रिय भूमिका रही।

यूजीसी कानून के खिलाफ गाजियाबाद में ब्राह्मण महासभा का प्रदर्शन जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नए नियमों के विरोध में अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा और सवर्ण समाज के लोगों ने सोमवार को गाजियाबाद जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। संगठन के पदाधिकारियों ने केंद्र सरकार की नीतियों को 'तानाशाही' करार देते हुए नारेबाजी की और जिलाधिकारी के माध्यम से एक ज्ञापन सौंपा।

यह विरोध प्रदर्शन राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित राजेंद्र नाथ त्रिपाठी एवं पश्चिम प्रदेश अध्यक्ष पंडित विजेंद्र शर्मा के आह्वान पर आयोजित किया गया। आंदोलन का नेतृत्व प्रदेश उपाध्यक्ष एडवोकेट दिनेश शर्मा, उत्तर प्रदेश प्रवक्ता हरीश शर्मा, जिलाध्यक्ष रामकिशन शर्मा और जिला प्रभारी शरद शर्मा ने किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने 'मोदी तेरी तानाशाही नहीं चलेगी' के नारे लगाए। संगठन के नेताओं ने दो टूक कहा कि जब तक इस विवादित कानून को वापस नहीं लिया जाता, तब तक उनका आंदोलन थमने वाला नहीं है।

इस प्रदर्शन में न केवल गाजियाबाद, बल्कि गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) के पदाधिकारियों ने भी बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। सवर्ण समाज के विभिन्न वर्गों ने एक सुर में यूजीसी के फैसलों का विरोध किया।

महिला नेतृत्व में सुशीला शर्मा (पश्चिमी प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ), पूनम शर्मा, अनीता शर्मा, बबिता शर्मा और रेनू शर्मा। गौतम बुद्ध नगर टीम से राहुल शर्मा (जिला प्रभारी), महेश शर्मा (जिलाध्यक्ष), डोली शर्मा (संयोजक)। एडवोकेट परमानंद गौड़ (महानगर अध्यक्ष), प्रमोद शर्मा (जिला संरक्षक), एडवोकेट संजीव उपाध्याय, राजेंद्र त्यागी, और देशराज गुर्जर सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ज्ञापन सौंपने के बाद एडवोकेट दिनेश शर्मा ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि यह कानून समाज के हितों के खिलाफ है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर विचार नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में इस आंदोलन को और अधिक उग्र रूप दिया जाएगा।

श्रद्धांजलि

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। सीए विवेक मित्तल, दीपक मित्तल और विशाल मित्तल के पिता प्रताप कुमार मित्तल का निधन एक फरवरी को हो गया था। सोमवार को स्वर्गीय प्रताप कुमार मित्तल की शोकसभा आयोजित हुई। सहकारिता क्रय-विक्रय समिति के चेयरमैन वीरेन्द्र सारस्वत ने स्वर्गीय प्रताप कुमार मित्तल को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनके निधन पर शोक व्यक्त किया।

बुलन्दशहर रोड औद्योगिक क्षेत्र में अवैध ट्रक पार्किंग के खिलाफ उद्यमियों का विरोध मार्च, बोले व्यापार भी हो रहा है बेकार

- ट्रैफिक पुलिस व निगम पर उठाए सवाल

गाजियाबाद, करंट क्राइम : बुलन्दशहर रोड स्थित औद्योगिक क्षेत्र में वर्षों से चली आ रही ट्रक-ट्रॉलों की अवैध पार्किंग, अतिक्रमण, शराब के ठेके, अवैध रूप से संचालित ढाबों और असामाजिक गतिविधियों से परेशान उद्यमियों का सब्र सोमवार को टूट गया। इण्डस्ट्रियल एरिया मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन, बुलन्दशहर रोड औद्योगिक क्षेत्र के बैनर तले उद्यमियों ने औद्योगिक क्षेत्र से आरटीओ चौराहे तक शांतिपूर्ण विरोध मार्च निकालकर प्रशासन का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर आकृष्ट कराया। उद्यमियों का कहना है कि अवैध ट्रक पार्किंग और अतिक्रमण के कारण उद्योगों का संचालन दिन-प्रतिदिन कठिन होता जा रहा है। स्थिति यह है कि कई बार उद्यमी अपनी औद्योगिक इकाइयों तक पहुंच भी नहीं कर पाते। विरोध करने पर ट्रक चालक और अतिक्रमणकारी झगड़े पर उतारू हो जाते हैं, जिससे औद्योगिक क्षेत्र में भय और अव्यवस्था का माहौल बना हुआ है।

उद्यमियों ने बताया कि इस औद्योगिक क्षेत्र में हजारों की संख्या में महिला श्रमिक और कर्मचारी कार्यरत हैं। सार्वजनिक परिवहन के समुचित साधन न होने के कारण महिलाओं को इन्हीं मार्गों से पैदल आना-जाना पड़ता है। अवैध ट्रक पार्किंग के चलते सड़क किनारे वाहन रिपेयरिंग के खोखे, पंचर वालों के ठीये और दर्जनों अवैध ढाबे संचालित हो रहे हैं, जहां असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। इससे महिलाओं के साथ छेड़छाड़ और आपराधिक घटनाओं की आशंका लगातार बनी रहती है। उद्यमियों का आरोप है कि इस समस्या को लेकर वे कई बार संबंधित विभागों को पत्र लिख चुके हैं और उद्योग बंधु की बैठकों में भी लगातार मुद्दा उठाया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसके उलट अवैध पार्किंग और अतिक्रमण में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। विरोध मार्च के दौरान उद्यमियों ने एक स्वर में मांग की कि जिस प्रकार उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण औद्योगिक क्षेत्र के जीर्णोद्धार और आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए प्रयासरत है, उसी प्रकार अन्य संबंधित विभाग भी अपनी जिम्मेदारी निभाएं और औद्योगिक क्षेत्र को अवैध ट्रक पार्किंग, अतिक्रमण और असामाजिक गतिविधियों से मुक्त कराएं।

इस अवसर पर इण्डस्ट्रियल एरिया मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सुशील अरोड़ा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेन्द्र अरोड़ा, उपाध्यक्ष मनजीत सिंह, महासचिव संजीव सचदेव, वित्त सचिव अनिल तनेजा, सचिव नवीन अग्रवाल, संयुक्त सचिव सौरव मित्तल सहित दीपक शर्मा, अनन्त मित्तल, के. जी. अग्रवाल, रोहित चुग, अशोक गुलाटी, अश्वनी तनेजा, दीपक वर्मा, प्रमोद मक्कड़, पंकज गोयल, विनीत जैन, सतीश चन्द मित्तल, कुंवरदीप सिंह, अनिरुद्ध गोस्वामी समेत दर्जनों उद्यमी मौजूद रहे।

ट्रक की टक्कर से गिरी महिला पहिए के नीचे आई, मौत

साहिबाबाद करंट क्राइम। टीलामोड़ थानाक्षेत्र के पसौंडा में ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक से गिरकर घायल हुई महिला को रौंदकर चालक ट्रक को लेकर भाग गया। घटना के बाद घायल महिला को पास के अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर गौतमबुद्धनगर के ग्रेटर नोएडा स्थित सादुल्लापुर गांव निवासी शैमीना (55) की मौत हो गई। उनके बेटे मुस्तकीम की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज करके आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। मुस्तकीम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह सात फरवरी को बाइक से मां शैमीन के साथ गाजियाबाद आए थे। जब वह पसौंडा पहुंचे तो पीछे आ रहे ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। ट्रक की टक्कर से बाइक से उनकी मां नीचे गिरकर घायल हो गई। इसके बाद भी चालक ने ट्रक के ब्रेक नहीं लगाए और सड़क पर घायल पड़ी उनकी मां को चालक रौंदकर भाग गया। आनन-फानन वह मां को लेकर पास के निजी अस्पताल पहुंचे, लेकिन हालत गंभीर होने की वजह से रेफर कर दिया। दूसरे अस्पताल में पहुंचने पर इलाज के दौरान उनकी मां की मौत हो गई। आरोपी चालक ट्रक मौके पर छोड़कर भाग गया। एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि चालक की तलाश की जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मिस्त्री का नाम लेकर महिला से 50 हजार लेकर भागे टप्पेबाज

खोड़ा करंट क्राइम। थानाक्षेत्र स्थित इंदिरा गार्डन निवासी हरीश कुमार के घर में घुसकर एक टप्पेबाज ने उनकी मां से 50 हजार रुपये लिए और चंपत हो गया। आरोपी ने रुपये घर में निर्माण कार्य कर रहे मिस्त्री के नाम पर लिए। घटना 14 जनवरी को हुई और पुलिस ने सात फरवरी को 23 दिन बाद केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। पीड़ित हरीश कुमार ने बताया कि घर में निर्माण कार्य चल रहा है। 14 जनवरी को वह घर में उनकी मां मौजूद थीं। उसी समय एक अंजान व्यक्ति घर में आया और मां से 50 हजार रुपये मांगे। पहले तो उनकी मां ने रुपये देने से इन्कार कर दिया, लेकिन जब आरोपी ने राज मिस्त्री का नाम लेकर रुपये लाने की बात कही तो मां को भरोसा हो गया। आरोपी ने भरोसा दिलाने के लिए अपने मोबाइल से तथाकथित राज मिस्त्री से बात भी कराई।

नई दिल्ली से गाजियाबाद की तरफ आ रही मालगाड़ी हुई बेपटरी, ट्रेन के दो पहिए ट्रैक से उतरे

गाजियाबाद करंट क्राइम। नई दिल्ली से गाजियाबाद की तरफ लोहा लेकर आ रही मालगाड़ी सोमवार को सवेरे करीब 9 बजे साहिबाबाद रेलवे स्टेशन से कुछ पहले बेपटरी हो गई। कपलिंग टूटने की वजह से ट्रेन के दो चक्के ट्रैक से उतरे। दुर्घटना के बाद सवेरे नौ बजे से लेकर शाम पांच बजे मालगाड़ी मेन लाइन पर खड़ी रही। पीछे से आने वाली ट्रेनों को डायवर्ट कर निकाला गया। विशाखापत्तनम से लोहा लेकर मालगाड़ी नई दिल्ली पहुंची थी। यहां इसको गाजियाबाद आना था। सवेरे नौ बजे जब मालगाड़ी साहिबाबाद स्टेशन से कुछ पहले पहुंची तो मालगाड़ी तेज आवाज के साथ बंद हो गई। तकनीकी टीम ने मौके पर जाकर देखा तो कपलिंग टूटी हुई थी, उसको दो चक्के पटरी से उतरे हुए थे। ट्रैक को भी काफी नुकसान पहुंचा। इसकी सूचना मिलते ही मौके पर आरपीएफ, जीआरपी के अलावा रेलवे का स्थानीय अमला भी पहुंच गया। ट्रेन में माल लदा होने की वजह से तकनीकी टीम को मालगाडी को पटरी पर लाने में सात घंटे से भी अधिक का समय लगा। रेलवे कर्मियों ने ट्रैक को भी दुरूस्त किया। पांच बजे के बाद माल वाहक को आगे के लिए रवाना किया गया। उधर, मुख्यालय से इस दुर्घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं। जांच टीम ने लोको पायलट, सहायक और अन्य स्टाफ के बयान दर्ज किए। इस बारे में सीओ जीआरपी सुदेश गुप्ता ने बताया कि दुर्घटना से कोई ट्रेन प्रभावित नहीं रही।

वकील पर दर्ज मुकदमे को लेकर अधिवक्ताओं ने थाना प्रभारी से की मुलाकात

मोदीनगर, करंट क्राइम। गत दिनों तहसील के एक अधिवक्ता पर दर्ज हुये मुकदमें को लेकर सोमवार को तहसील के तमाम अधिवक्ताओं ने थाना प्रभारी से मुलाकात कर पुनः जांच कराये जाने की मांग की और दर्ज काई गई रिपोर्ट को गलत करार दिया।

थाना प्रभारी ने मामले की जांच का आश्वासन दिया है। तहसील में अधिवक्ता नकुल त्यागी पर दर्ज मुकदमे को लेकर अधिवक्ताओं का एक प्रतिनिधिमंडल थाना प्रभारी से मिला।

अधिवक्ताओं ने मुकदमे को लेकर अपनी आपत्ति दर्ज कराई और निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। वरिष्ठ अधिवक्ता राजकुमार गुप्ता ने बताया कि अधिवक्ता नकुल त्यागी पर दर्ज किए गए मुकदमे को लेकर थाना प्रभारी द्वारा पूरे मामले की जांच का आश्वासन दिया है उन्होंने कहा है कि किसी भी निर्दोष पर कार्रवाही नही होगी।

जल्द ही जारी होगा वर्दी में बदलाव वाला आदेश

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में 23 बैच वालों के हटने के मामले को लगभग आठ दिन का समय हो गया है। तो वहीं एंटी करप्शन की कार्रवाई को भी इतना समय हो गया है ,पर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में अभी भी इसकी चर्चा सुनाई दे रही है। इन सबके बीच जानकारी मिली है कि जिस तरीके से बीते दो से तीन दिनों में मौसम ने परिवर्तन लिया है, उसके बाद जल्द ही पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में नया आदेश आ सकता है। जिसके तहत सर्दी वाली वर्दी में दिन में छूट मिलेगी, दिन के समय में गर्मी वाली वर्दी पहनी जा सकेगी। दरअसल यहां का तापमान बढ़ना शुरू हो गया है। जिसकी वजह से दोपहर के समय तापमान 22 और 25 डिग्री तक पहुंच रहा है। तो आने वाले दिनों में तापमान में और बढ़ोत्तरी की संभावना है। जिसके बाद गर्मी बढ़ेगी और गर्मी बढ़ेगी तो सर्दी वाली वर्दी दोपहर में परेशानी का कारण भी बनेगी। उधर जानकारी मिल रही है कि जिस तरीके से 23 बैच वालों को चौकियों से हटाया गया था, उनकी टेंशन बढ़ गई है और उनपर अटेंशन बढ़ने लगी है। उधर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में जिस तरीके से लगातार अभियान और कार्रवाई वाला मामला चल रहा है, उसके बावजूद भी कई पुलिसकर्मियों को समझ नहीं आ रहा है कि वह कभी भी एंटी करप्शन वाली टीम का शिकार हो सकते हैं। उधर सूत्र बताते हैं कि एंटी करप्शन वाले सप्ताह में दो से चार दिन गाजियाबाद को लेकर ही फोकस में रहते हैं और शिकायत मिलते ही वह एक्टिव मोड पर आ जाते हैं। उधर पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम के सूत्रों से जानकारी मिली है कि इन दिनों एसीपी साहब लोगों की कोर्ट को लेकर भी बहुत ज्यादा अटेंशन बरतने के निर्देश दिए गए हैं। एसीपी साहब लोगों की कोर्ट से जुड़े पुलिसकर्मियों की फोन कॉल से लेकर अन्य क्रियाकलापों पर नजर रखी जा रही है। साथ ही जिस तरीके से एसीपी कार्यालय में जो कैमरे लगे हैं, उसकी फाइनल फीड भी देखी जा रही है। बताया जा रहा है कि बीते दिनों एक श्वेत स्टारधारी के लिए भी पूरा मामला बना गया था, पर मामला गजेटेड ऑफिसर वाला होने की वजह से अमलीजामा तक नहीं पहुंच पाया है। बताया जा रहा है कि जितनी तेजी से पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में एंटी करप्शन वालों के मामले और कार्रवाई हो रही है, अन्य कमिश्नरेट और जनपदों में वह संख्या काफी पीछे चली हुई है। उधर पुलिस के सूत्र यह भी जानकारी दे रहे हैं कि जिस तरीके से एंटी करप्शन वाला मामला छाया हुआ है, आने वाले दिनों में यह विपक्ष को एक मुद्दा भी मिल सकता है। अब देखना होगा कि आने वाले दिनों में एंटी करप्शन वालों की रडार पर और कौन आता है और कौन बचकर निकल पाता है।

आईएमएस गाज़ियाबाद में 'प्लेसमेंट डे' का भव्य उत्सव 500 से अधिक छात्रों को मिली वैश्विक कंपनियों में उड़ान

- अमेजन और दुबई की कंपनियों में चमके छात्र, 41 लाख रुपए के अधिकतम पैकेज के साथ मनाया सफलता का जश्न

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। आईएमएस गाज़ियाबाद (यूनिवर्सिटी कोर्सेज कैंपस) ने शैक्षणिक सत्र 2023-26 के विद्यार्थियों के लिए एक भव्य 'प्लेसमेंट डे' समारोह का आयोजन किया। संस्थान के बीबीए, बीसीए, जर्नलिज्म, बीएससी और एमआईबी पाठ्यक्रमों के 500 से अधिक छात्र-छात्राओं को उनकी कड़ी मेहनत और प्रतिष्ठित कंपनियों में चयन के लिए सम्मानित किया गया।

इस वर्ष संस्थान ने 41 लाख रुपए प्रतिवर्ष के उच्चतम पैकेज के साथ एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। संस्थान के विद्यार्थियों ने न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। चयनित छात्रों को अमेजन, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, फ्लिपकार्ट, प्लेनेट स्पार्क, आर्चर एंड बुल और दुबई स्थित मिलियन ड्रीम्स जैसी नामचीन कंपनियों में प्लेसमेंट प्राप्त हुआ है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि संदीप जैन (मैनेजिंग डायरेक्टर, शुभास्तिक इंडस्ट्रीज), संस्थान के जनरल सेक्रेटरी सीए (डॉ.) राकेश छारिया और निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) जसकिरण कौर द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। समारोह के अंत में एक केक कटिंग सेरेमनी और डीजे सेशन का आयोजन हुआ, जिसमें छात्रों ने जमकर नृत्य किया और अपनी उपलब्धियों का जश्न मनाया।

नेहरू युवा केंद्र, गाजियाबाद में सांस्कृतिक मेले का शुभारंभ

गाजियाबाद, करंट क्राइम। 8 फरवरी 2026 को नेहरू युवा केंद्र, अंबेडकर रोड, गाजियाबाद में आयोजित सांस्कृतिक मेले का भव्य शुभारंभ श्री सुनील कुमार गर्ग (गुड लक इंडस्ट्री) द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर शहर के अनेक गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। दीप प्रज्वलन कार्यक्रम में प्रमुख रूप से वीरेंद्र कुमार (वीरू बाबा), रविंद्र कुमार मित्तल, जगत प्रसाद शर्मा, अनिल शर्मा, प्रवीण गोयल, विकास मित्तल, संजीव मित्तल, दिव्य आलोक एवं विजय डोभाल सहित अन्य सम्मानित अतिथियों ने सहभागिता की।

सांस्कृतिक मेले में बच्चों एवं परिवारों के मनोरंजन हेतु विभिन्न प्रकार के झूले, खाने-पीने की आकर्षक स्टॉल, तथा अन्य व्यावसायिक स्टॉल लगाए गए हैं। इसके साथ ही मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जा रहा है, जो दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। आयोजकों ने बताया कि यह सांस्कृतिक मेला आगामी मार्च माह तक आमजन के लिए खुला रहेगा, जिसमें प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग पहुंचकर मनोरंजन एवं खरीदारी का आनंद ले सकेंगे।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। जिला शासकीय अधिवक्ता राजस्व अक्षय कुमार भारद्वाज और उनकी पत्नी प्रिया शर्मा की आज मैरिज एनिवर्सरी है। भारत विकास परिषद के शाखा अध्यक्ष अक्षय कुमार और प्रिया को उनके सफल, सुखद और खुशहाल वैवाहिक जीवन की कामना करते हुए उनके परिजनों, दोस्तों, शुभचिंतों ने और समर्थकों ने बधाई और शुभकामनायें दीं। सुखद यादों को समेटे और एक उमंग का अहसास कराती ये पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

फ्रांस तक पहुंची एपस्टीन फाइल विवाद की आग, पूर्व संस्कृति मंत्री का इस्तीफा

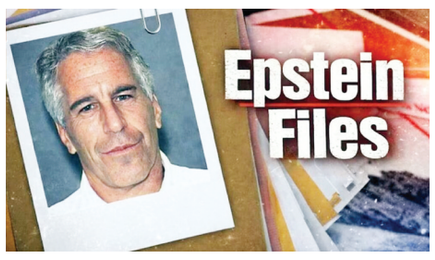

पेरिस। एपस्टीन विवाद में नाम आने के बाद फ्रांस के पूर्व संस्कृति मंत्री जैक लैंग ने इस्तीफा दे दिया है। जैंक लैंग फ्रांस के सबसे बड़े नाम हैं, जो एपस्टीन विवाद की चपेट में आए हैं। जैक लैंग पर आरोप है कि उन्होंने एपस्टीन के साथ मिलकर धन शोधन और टैक्स धोखाधड़ी की।

एपस्टीन फाइल्स में हुए खुलासों ने पूरी दुनिया में खलबली मचाई हुई है। अब इस विवाद की चपेट में फ्रांस के पूर्व संस्कृति मंत्री जैक लैंग भी आ गए हैं। दरअसल एपस्टीन से जुड़े टैक्स धोखाधड़ी मामले में जैक लैंग का नाम सामने आया, जिसके बाद उन्होंने फ्रांस के एक सांस्कृतिक सेंटर के प्रमुख के पद से इस्तीफा दे दिया है।

एपस्टीन फाइल में टैक्स धोखाधड़ी खुलासे में आया जैक लैंग का नाम

एपस्टीन फाइल जारी होने के बाद जैक लैंग फ्रांस के पहले हाई प्रोफाइल व्यक्ति बन गए हैं, जिन्हें इस विवाद के चलते इस्तीफा देना पड़ा है।

अमेरिका के न्याय विभाग ने 30 जनवरी को बदनाम यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी फाइलें जारी की थीं, जिनमें फ्रांस के पूर्व संस्कृति मंत्री का नाम कई बार सामने आया।

जैक लैंग 1980 और 1990 के दशक में फ्रांस के समाजवादी राष्ट्रपति फ्रैंकोइस मिट्टेरैंड की सरकार में मंत्री रहे थे। 86 वर्षीय लैंग को फ्रांस के विदेश मंत्रालय ने पूछताछ के लिए समन जारी किया था। हालांकि लैंग ने समन जारी होने के बाद रविवार को अरब वर्ल्ड इंस्टीट्यूट के प्रमुख के पद से इस्तीफा ही दे दिया।

जैक लैंग के वकील ने एक बयान जारी कर बताया कि जैक लैंग अपना पद छोड़ने से बेहद दुखी हैं क्योंकि उन्हें उससे बेहद प्यार था। उन्होंने अरब वर्ल्ड इंस्टीट्यूट के हितों को हमेशा पहले रखा। लैंग के वकील ने उन पर लगे आरोपों को खारिज कर दिया और उन्हें गलत बताया।

इस मामले में लैंग की बेटी कैरोलिन पर भी आरोप हैं। फ्रांसीसी मीडिया के अनुसार, लैंग और उनके परिवार और जेफ्री एपस्टीन ने शैल कंपनियों के जरिए बड़े पैमाने पर टैक्स धोखाधड़ी और धन शोधन को अंजाम दिया। एपस्टीन फाइल में लैंग का नाम करीब 600 बार सामने आया है। साथ ही लैंग की बेटी का भी नाम है।

कनाडा से रिश्ते बेहतर करने की तैयारी

एनएसए अजीत डोभाल ने कनाडा में उच्च स्तरीय बैठकें की

नई दिल्ली। कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो के शासनकाल में भारत और कनाडा के रिश्ते बेहद खराब हो गए थे। अब मौजूदा पीएम मार्क कार्नी की सरकार में फिर से भारत और कनाडा के रिश्तों को बेहतर करने की कोशिशें की जा रही हैं। इसी के तहत भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने कनाडा का दौरा किया और वहां ओटावा में कनाडा के प्रधानमंत्री की उप सचिव और राष्ट्रीय सुरक्षा एवं खुफिया सलाहकार नताली जी. ड्रौइन से मुलाकात की।

भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार कनाडा दौरे पर हैं, जहां उन्होंने कनाडा की एनएसए से मुलाकात की। इस मुलाकात में दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली और संबंध बेहतर करने के लिए कई कदमों पर सहमति बनी। दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने की दिशा में इस दौरे की काफी अहमियत है।

दोनों देशों के संबंधों को बेहतर करने की तैयारी

दोनों देशों के संबंधों को फिर से मजबूत करने के प्रयासों की दिशा में यह बातचीत अहम मानी जा रही है। डोभाल ने कनाडा के विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, यह बैठक दोनों देशों के बीच नियमित द्विपक्षीय सुरक्षा वार्ता का हिस्सा थी।

दोनों पक्षों ने अपने राष्ट्रों और नागरिकों की सुरक्षा के लिए चल रहीं पहल की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून प्रवर्तन मामलों पर भविष्य के सहयोग के लिए एक साझा कार्य योजना पर भी सहमति जताई। इस कदम से अधिक व्यावहारिक संयुक्त प्रयासों की राह बनेगी।

इस बातचीत में एक अहम निर्णय ये रहा कि दोनों देशों में सुरक्षा और कानून प्रवर्तन संपर्क अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी। इस कदम का उद्देश्य दोनों देशों के बीच संचार चैनलों को बेहतर बनाना और नशीली दवाओं की अवैध तस्करी, विशेष रूप से फेंटानिल और अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध नेटवर्क की गतिविधियों सहित साझा खतरों पर जानकारी का आदान-प्रदान करना है। दोनों अधिकारियों ने साइबर सुरक्षा में सहयोग पर भी सहमति जताई, जिसमें नीतिगत समन्वय और साइबर खतरों पर सूचनाओं का आदान-प्रदान शामिल है। उन्होंने प्रत्येक देश के घरेलू कानूनों और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं का सम्मान करते हुए, धोखाधड़ी की रोकथाम और आव्रजन प्रवर्तन से संबंधित संयुक्त कार्यों पर बातचीत को आगे बढ़ाने का फैसला किया।

अजीत डोभाल के इस दौरे से दोनों देशों के संबंधों में अतीत में आए तनाव के बावजूद व्यावहारिक सुरक्षा संबंधों को और मजबूत करने में दोनों देशों की आपसी रुचि भी स्पष्ट हुई।

दो दिवसीय यात्रा के दौरान, डोभाल ने कनाडा के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री से भी मुलाकात की। ये मुलाकातें भारत-कनाडा सुरक्षा संबंधों में सकारात्मक गति का संकेत देती हैं, जिनमें मादक पदार्थों की तस्करी और संगठित अपराध जैसी सीमा पार चुनौतियों से निपटने के लिए ठोस उपायों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

लेबनान में इस्राइली सेना की बड़ी कार्रवाई

हमास के सहयोगी संगठन के शीर्ष नेता को किया गिरफ्तार

बेरूत। इस्राइली सेना ने दक्षिणी लेबनान से हमास के सहयोगी और सुन्नी नेता को गिरफ्तार किया है। वहीं, एक इस्राइली ड्रोन हमले में बच्चे सहित तीन लोगों की मौत हो गई। यह कार्रवाई इस्राइल और हिजबुल्लाह के बीच जारी तनाव का हिस्सा है, जिसमें अब तक हजारों लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।

इस्राइली सेना ने सोमवार सुबह दक्षिणी लेबनान में एक विशेष ऑपरेशन चलाया। इस ऑपरेशन में सेना ने सुन्नी इस्लामी समूह 'अल-जमा अल-इस्लामिया' के स्थानीय अधिकारी और फिलिस्तीनी हमास समूह के एक सहयोगी को पकड़ लिया। इस्राइली सैनिक उसे सीमा के पास हेब्बारियेह गांव से पकड़कर पूछताछ के लिए इस्राइल ले गए। सेना ने बताया, यह कार्रवाई खुफिया जानकारी की मदद से की है। गाजा में फिर भड़की हिंसाः इस्राइली गोलीबारी में 24 की मौत, हमले से पहले सैनिक पर फायरिंग का दावा

इस्लामी समूह ने किया विरोध

इस्लामी समूह 'अल-जमा अल-इस्लामिया' ने इस गिरफ्तारी का कड़ा विरोध किया है। संगठन ने इसे लेबनान की संप्रभुता का उल्लंघन बताया और लेबनानी सरकार से उसकी रिहाई की मांग करने का आग्रह किया। यह संगठन मुस्लिम ब्रदरहुड की लेबनानी शाखा है। इसकी सशस्त्र इकाई 'फजर फोर्सेज' के नाम से जानी जाती है।

अक्टूबर 2023 में इस्राइल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद से फजर फोर्सेज ने हिजबुल्लाह के साथ मिलकर इस्राइल पर रॉकेट दागे थे। जिसके बारे में उसने कहा कि यह गाजा में हमास के समर्थन में था। मुस्लिम ब्रदरहुड को मध्य पूर्व के कई देशों में आतंकी समूह माना जाता है। पिछले महीने ट्रंप प्रशासन ने भी इसकी लेबनानी, जॉर्डन और मिस्र की शाखाओं को आतंकी संगठन घोषित किया था।

इस्राइल के खिलाफ हुए थे एकजुट

अल-जमा अल-इस्लामिया के नेता मोहम्मद तक्कुश ने इस्राइल-हिजबुल्लाह युद्ध के दौरान स्पष्ट किया कि उनके समूह ने सीरिया और यमन संघर्षों पर हिजबुल्लाह के साथ अपने पुराने मतभेदों को दरकिनार कर दिया है, ताकि इस्राइल के खिलाफ एकजुट होकर लड़ा जा सके। हिजबुल्लाह ने आठ अक्टूबर 2023 को हमास के समर्थन में इस्राइल पर हमले शुरू किए थे।

इसके जवाब में इस्राइल ने पहले संचार उपकरणों (पेजर) को निशाना बनाया, फिर बड़े हवाई हमलों के जरिए हिजबुल्लाह के नेतृत्व (हसन नसरल्लाह सहित) को खत्म कर उसे कमजोर किया। अंततः एक अक्टूबर 2024 को इस्राइली सेना ने दक्षिणी लेबनान में जमीनी हमला किया। यह संघर्ष 14 महीने तक चलने के बाद नवंबर 2024 में अमेरिका की मध्यस्थता से हुए सीजफायर के साथ थमा।

क्या बोला इस्राइल

इसी कार्रवाई के दिन दक्षिणी लेबनान के यानूह गांव में एक इस्राइली ड्रोन ने कार को निशाना बनाया। इस हमले में एक बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हो गई। इस्राइल ने फिलहाल इस हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। नेता की गिरफ्तारी पर इस्राइल का कहना है कि वह ये ऑपरेशन हिज्बुल्लाह के गढ़ों और इस्राइल के खिलाफ खतरों को खत्म करने के लिए कर रहा है।

इटली के पहाड़ों में एक हफ्ते में मारे गए 13 पर्वतारोही, ताजा बर्फबारी से और बिगड़े हालात

इटली। पिछले सप्ताह इतालवी पहाड़ों में रिकॉर्ड 13 बैककंट्री स्कीयर, पर्वतारोहियों और हाइकरों की मौत हो गई है, जिनमें से 10 की मौत हिमस्खलन में हुई है, जो असाधारण रूप से अस्थिर हिमपात के कारण हुआ था। यह घटना ऐसे समय में हुआ, जब शीतकालीन ओलंपिक प्रतियोगिताएं शुरू हुई थीं।

इटली के पर्वतीय बचाव दल ने सोमवार को बताया कि हाल के तूफानों के दौरान हुई ताजा बर्फबारी और कमजोर आंतरिक परतों पर हवा से उड़कर जमा हुई बर्फ ने फ्रांस, स्विट्जरलैंड और ऑस्ट्रिया की सीमाओं के साथ लगे पूरे अल्पाइन क्षेत्र में विशेष रूप से खतरनाक स्थिति पैदा कर दी है।

इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू

इस्राइल का वेस्ट बैंक पर कड़ा कदमः बसावट और जमीन पर नियंत्रण बढ़ाया, फलस्तीन की सत्ता कमजोर करने की भी योजनाइटली के अल्पाइन रेस्क्यू कोर के प्रवक्ता फेडेरिको कैटानिया ने कहा, 'ऐसी परिस्थितियों में, एक भी स्कीयर का गुजरना, या बर्फ के वजन से प्राकृतिक रूप से अधिक भार पड़ना, हिमस्खलन को ट्रिगर करने के लिए पर्याप्त हो सकता है।' हिमस्खलन से होने वाली मौतें उन ढलानों पर हुईं, जिनकी ठीक से देखभाल नहीं की गई थी, जो स्विस सीमा पर लोम्बार्डी और वेनेटो में कोर्टिना डी'एम्पेजो में अच्छी तरह से बनाए गए और निगरानी वाले ओलंपिक स्थलों से दूर थीं, साथ ही ट्रेंटिनो के स्वायत्त प्रांत में वैल डी फिएमे में क्रॉस-कंट्री स्कीइंग के दौरान भी ये मौतें हुईं।

'सेना की तैनाती कर हमें डरा नहीं सकते', पश्चिम एशिया में अमेरिकी युद्धपोत की तैनाती पर ईरान की दो टूक

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने एक बयान में कहा कि सेना की तैनाती ईरान को डरा नहीं सकती। साथ ही उन्होंने अमेरिका की बातचीत की मंशा पर भी सवाल उठाए और कहा कि उन्हें अमेरिका पर बेहद कम भरोसा है।

ईरान ने अमेरिका के साथ रविवार को शुरू हुई परमाणु बातचीत के बीच अपना रुख फिर दोहराया और कहा कि तेहरान यूरेनियम संवर्धन करना नहीं छोड़ेगा। साथ ही ईरान ने अमेरिका की सैन्य ताकत के सामने झुकने से भी इनकार कर दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने एक कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि इस क्षेत्र में सैन्य तैनाती हमें डराती नहीं हैं। अराघची का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका ने अपने सबसे ताकतवर युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन को पश्चिम एशिया में तैनात किया है। अराघची ने कहा कि ईरान को अमेरिका पर बहुत कम भरोसा है। अमेरिका की बातचीत की मंशा पर भी उन्होंने सवाल उठाया।

अमेरिका की मंशा पर ईरान के विदेश मंत्री ने उठाए सवाल

अराघची ने कहा कि उन्हें इस बात पर भी संदेह है कि अमेरिका बातचीत को गंभीरता से ले रहा है या नहीं। उन्होंने बताया कि ईरान इन वाताओं को लेकर अपने रणनीतिक साझेदार चीन और रूस से भी परामर्श कर रहा है।

पश्चिमी देशों और इस्राइल का आरोप है कि ईरान परमाणु बम बनाने की कोशिश कर रहा है, जिसे ईरान ने खारिज किया है। अराघची ने कहा कि ईरान किसी परमाणु हथियार की तलाश में नहीं है और उसकी असली ताकत महाशक्तियों को न कहने की क्षमता है।

अराघची ने कहा, 'वे हमारे परमाणु बम से डरते हैं, जबकि हम परमाणु बम की तलाश में नहीं हैं। हमारा परमाणु बम महाशक्तियों को न कहने की शक्ति है।'

इस बीच इस्राइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को विश्व शांति के लिए खतरा बताया है। अमेरिका और इस्राइल चाहते हैं कि बातचीत में ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम और क्षेत्रीय सशस्त्र संगठनों को समर्थन जैसे मुद्दे भी शामिल हों, लेकिन ईरान ने इन्हें वार्ता का हिस्सा बनाने से इनकार कर दिया है। अरघची ने यूरेनियम संवर्धन पर किसी भी तरह के समझौते से इनकार कर दिया और इसे रणनीति के बजाय संप्रभुता का मामला बताया।

'रिहाई के कुछ घंटे बाद ही सहयोगी का अपहरण हुआ' वेनेजुएला की विपक्षी नेता मचाडो का गंभीर आरोप

नई दिल्ली। वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो ने सोमवार को कहा कि जेल से रिहा होने के कुछ घंटों बाद ही उनके सबसे करीबी सहयोगियों में से एक का अपहरण कर लिया गया। सरकार ने रविवार को नजरबंद विपक्ष के कई प्रमुख सदस्यों को जेल से रिहा कर दिया था। वहीं, मचाडो ने सोशल मीडिया पर कहा कि जुआन पाब्लो गुआनिपा को राजधानी काराकास के एक आवासीय इलाके में आधी रात के आसपास अगवा कर लिया गया था।

वेनेजुएला में पिछले एक महीने से राजनीतिक हलचल जारी है। इसी बीच विपक्षी नेता ने सोमवार को सरकार पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंनेकहा कि जेल से रिहा होने के कुछ घंटों बाद ही उनके सबसे करीबी सहयोगियों में से एक का अपहरण कर लिया गया।

जबरदस्ती अपने साथ ले गए- मचाडो

उन्होंने एक्स पर लिखा ह्लभारी हथियारों से लैस, सादे कपड़ों में चार वाहनों में आए और उसे जबरदस्ती अपने साथ ले गए।ह्व ह्लहम उसकी तत्काल रिहाई की मांग करते हैं।ह्व विपक्षी नेताओं की रिहाई ऐसे समय में हुई है जब कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज की सरकार पर उन सैकड़ों लोगों को रिहा करने का दबाव बढ़ रहा है। इनकी गिरफ्तारी महीनों या वर्षों पहले उनकी राजनीतिक गतिविधियों से जुड़ी हुई थी। यह रिहाई संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त के प्रतिनिधियों की वेनेजुएला यात्रा के बाद हुई है।

जेल के बाहर लगे नारे

सोमवार की सुबह इस मामले पर टिप्पणी के लिए किए गए अनुरोध पर सरकार के प्रेस कार्यालय ने तत्काल में कोई जवाब नहीं दिया। 3 जनवरी को अमेरिकी सेना द्वारा तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार किए जाने के बाद रोड्रिगेज ने वेनेजुएला के कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। उनकी सरकार ने कुछ दिनों बाद कैदियों को रिहा करना शुरू कर दिया। रविवार को कुछ लोग अपने प्रियजनों की रिहाई का इंतजार कर रहे। उन्होंने हम नहीं डरते! हम नहीं डरते! के नारे लगाए और थोड़ी दूर तक पैदल मार्च किया।

पूर्व राज्यपाल गुआनिपा ने अपनी रिहाई के कुछ घंटों बाद पत्रकारों से कहा था, मुझे पूरा विश्वास है कि हमारा देश पूरी तरह बदल चुका है। मुझे पूरा यकीन है कि अब हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम एक स्वतंत्र और लोकतांत्रिक देश के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करें। गुआनिपा ने हिरासत में आठ महीने से अधिक समय बिताया था।

बांग्लादेश में तीन प्रमुख दलों के घोषणापत्र में क्याः भारत को लेकर क्या दावे

ढाका। बांग्लादेश नेशनल पार्टी (बीएनपी), जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) और नए-नए अस्तित्व में आए राजनीतिक दल- नेशनलिस्ट सिटीजन पार्टी (एनसीपी) के घोषणापत्रों में अपने देश के लिए क्या अहम वादे हैं? भारत को लेकर इनमें क्या कहा गया है? देश के अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं को लेकर इन घोषणापत्रों में क्या जिक्र है?

बांग्लादेश के चुनाव में अब चार दिन से भी कम का समय बचा है। खासकर अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की गैरमौजूदगी और उनकी पार्टी- आवामी लीग को चुनाव से बाहर किए जाने के बाद हर दल की निगाह उसके वोटरों को अपनी तरफ लाने पर होगी। ऐसे में राजनीतिक दलों ने बांग्लादेश में पारंपरिक रूप से आवामी लीग के वोटर रहे लोगों को लुभाने की कोशिश शुरू कर दी है, फिर चाहे वह बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हों या बांग्लादेश और भारत के रिश्तों की पैरवी करने वाले लोगों का समूह। अधिकतर दलों ने अपनी विचारधारा को किनारे करते हुए वोट जुटाने के लिए वादों का पिटारा खोला है।

दिवंगत खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बीएनपी ने घोषणापत्र में 'शोबार आगे बांग्लादेश' (सबसे पहले बांग्लादेश) का नारा दिया है। इसके तहत पार्टी ने सामाजिक सुरक्षा और आधुनिक बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित किया है।

बांग्लादेश के लिए बीएनपी के अहम वादेः महिला सशक्तिकरणः महिलाओं के नाम पर 'फैमिली कार्ड' जारी करने और उन्हें स्नातकोत्तर (पोस्ट ग्रैजुएशन) स्तर तक मुफ्त शिक्षा देने का वादा।

बुलेट ट्रेनः ढाका को प्रमुख शहरों से जोड़ने के लिए हाई-स्पीड रेल नेटवर्क देने का वादा, जिससे यात्रा का समय एक घंटे के भीतर सिमट जाए।

रेलवे आधुनिकीकरणः ढाका-चटगांव, ढाका-नारायणगंज और ढाका-मयमनसिंह गलियारों का विद्युतीकरण-डबल ट्रैक का भी वादा।

दूसरे देशों से जुड़ावः बांग्लादेश को म्यांमार और ढाका-कुनमिंग (चीन) रेल लिंक के माध्यम से क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूत करने का प्रस्ताव।

रियायतेंः छात्रों, विकलांगों और 60 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों के लिए रेल सेवाओं में विशेष रियायतें देने का एलान किया गया है।

तारिक रहमान ने स्पष्ट किया है कि बांग्लादेश किसी भी देश का प्रॉक्सी नहीं बनेगा और उन्होंने नारा दिया है, न दिल्ली, न पिंडी, बांग्लादेश सबसे पहले।

हिंदुओं, अल्पसंख्यकों और धार्मिक सुरक्षा परः बीएनपी ने हिंदुओं और बांग्लादेश के अन्य अल्पसंख्यकों के जीवन, संपत्ति और पूजा स्थलों की सुरक्षा के लिए सख्त कानून बनाकर सुरक्षा देने का वादा किया है। पार्टी ने घोषणापत्र में कहा है कि 'धर्म व्यक्तिगत है, राज्य सबके लिए है।' बीएनपी ने कहा है कि वह बिना किसी बाधा के धार्मिक अनुष्ठानों और त्योहारों को मनाने का अधिकार सुनिश्चित करेगी। इसके अलावा सभी धर्मों के धार्मिक नेताओं के लिए सरकारी वजीफा और कल्याणकारी कार्यक्रम शुरू किए जाने की भी बात कही गई है।

बांग्लादेश के 2026 के चुनावों के लिए जमात-ए-इस्लामी ने 'एक सुरक्षित और मानवीय बांग्लादेश' के नारे के साथ अपना 88 पन्नों का चुनावी घोषणापत्र जारी किया है। पार्टी इस बार 300 में से 179 सीटों पर चुनाव लड़ने की योजना बना रही है।

बांग्लादेश के लिए जमात के अहम वादेः दो ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्थाः 2040 तक बांग्लादेश को दो ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने और प्रति व्यक्ति आय $10,000 तक पहुंचाने का लक्ष्य।

आर्थिक महाशक्ति बनानाः बांग्लादेश को वैश्विक अर्थव्यवस्था में 35वें स्थान से उठाकर 20वें स्थान पर लाने का लक्ष्य। **इस्लामी कानूनः** इस्लामी शरिया के तहत अलग मुस्लिम पर्सनल लॉ लागू करने और इसके लिए हाईकोर्ट में विशेष बेंच स्थापित करने का वादा।

बॉन्डी बीच हमले के बाद यहूदियों से मिलने पहुंचे इस्राइली राष्ट्रपति, लेकिन दौरे को लेकर भड़का विवाद

सिडनी। सोमवार सुबह इस्राइल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग सिडनी पहुंचे। चार दिन के दौरे में वह यहूदी समुदाय से मुलाकात करेंगे और एकजुटता दिखाएंगे। हालांकि, फलस्तीन मुद्दे को लेकर विरोध और विवाद भी बना हुआ है। हर्जोग ऑस्ट्रेलियाई नेताओं और समुदायिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

इस्राइल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग सोमवार सुबह ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर पहुंचे। उनका यह चार दिन का दौरा खास तौर पर पिछले साल दिसंबर में बॉन्डी बीच पर हुए आतंकी हमले के बाद ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले यहूदी समुदाय के प्रति समर्थन दिखाने के लिए है। हालांकि, फलस्तीनियों को लेकर इस्राइल की नीतियों के कारण इस यात्रा को लेकर विवाद भी खड़ा हो गया है। मीडिया से बातचीत में हर्जोग ने कहा कि वह ऑस्ट्रेलिया के अलग-अलग हिस्सों में यहूदी समुदाय से मुलाकात करेंगे।

बता दें कि ऑस्ट्रेलिया के गवर्नर-जनरल और प्रधानमंत्री के निमंत्रण पर आए राष्ट्रपति हर्जोग अपने दौरे के दौरान यहूदी समुदाय के नेताओं से मिलेंगे और बड़े सामुदायिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। इसके अलावा, उनकी ऑस्ट्रेलिया के वरिष्ठ नेताओं से भी मुलाकात होने की संभावना है।

दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया में इस्राइली राष्ट्रपति के दौरे को लेकर विवाद भी खड़ा हो गया है। इसका कारण है कि फलस्तीन मुद्दे को लेकर इस्राइल की नीतियों के विरोध में ऑस्ट्रेलिया में कई लोग और संगठन इस यात्रा का विरोध कर रहे हैं। एक हजार से ज्यादा ऑस्ट्रेलियाई यहूदियों ने एक खुला पत्र लिखकर कहा है कि राष्ट्रपति हर्जोग का यहां स्वागत नहीं किया जाना चाहिए। हर्जोग जिन-जिन शहरों में जाएंगे, वहां विरोध प्रदर्शन की तैयारी की गई है। कैनबरा और मेलबर्न समेत कई शहरों में प्रदर्शन की योजना है।

विरोध प्रदर्शन की तैयारी, सुरक्षा के कड़े इंतेजाम : सिडनी में सोमवार शाम शहर के बीचों-बीच रैली और मार्च निकाले जाने की तैयारी की जा रही है। हालात को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। न्यू साउथ वेल्स राज्य में हर्जोग की यात्रा के दौरान 3,000 से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। इनमें से करीब 500 पुलिसकर्मी खास तौर पर प्रस्तावित प्रदर्शनों की सुरक्षा के लिए लगाए गए हैं।

सिडनी बॉन्ड बीच गोलीबारी कांडः गौरतलब है कि 14 दिसंबर को सिडनी के बॉन्डी बीच पर यहूदी त्योहार के जश्न के दौरान सामूहिक गोलीबारी की घटना हुई थी। इस हमले में 16 लोगों की मौत हो गई थी। ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने इसे आतंकी हमला बताया था, जो चरमपंथी संगठन इस्लामिक स्टेट की सोच से प्रेरित था।

महापौर ने नवमतदाता अभियान के लिए किया शास्त्री नगर में प्रवास

वोट बनवाना और वोट डालना हमारी पहली जिम्मेदारी : महापौर

- शास्त्री नगर में 101 नई वोटो के फार्म भरवाकर तैयार की सूची

गाजियाबाद, करंट क्राइम। भाजपा उत्तर प्रदेश की प्रदेश उपाध्यक्ष व गाजियाबाद की महापौर सुनीता दयाल ने वार्ड 47 शास्त्री नगर में नवमतदाता अभियान हेतु प्रवास किया जिसमें 101 नई वोट बनाने हेतु जनता को जानकारी के साथ फार्म 6 भरवाया और संगठन के फॉर्मेट पर सूची तैयार कर जिलाप्रशासन को भेजी गई। इस दौरान पार्षद अमित त्यागी, वरिष्ठ समाजसेवी विनोद जिंदल, पूर्व महानगर उपाध्यक्ष वेद प्रकाश गर्ग, वरिष्ठ अधिवक्ता आशुतोष श्रीवास्तव, दिनेश चौधरी, रिटायर्ड जज सुभाष सैनी, शिवम जिंदल, पूजा शर्मा, शुभम सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

स्थानीय निवासियों को महापौर महापौर ने बताया कि वोट बनवाने हेतु फार्म 6 भरकर आप अपनी वोट बनवा सकते हैं। यह प्रक्रिया ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों प्रकार से की जा सकती है। वोट बनवाने का अधिकार सर्वप्रथम होना चाहिए और ऐसे ही वोट डालने का अधिकार भी सर्वप्रथम होना चाहिए और अब्बी को आगे आकर समय निकाल कर वोट बनवाने की कार्यवाही करनी चाहिए, किसी भी प्रकार की परेशानी हो तो हमारे मंडल अध्यक्ष, पार्षद एवं पार्टी के सभी जन वोट बनवाने का कार्य कर रहे है सीधा संपर्क कर परेशानी दूर कर सकते हैं।

न्यायालय के आदेश पर दो अवैध कब्जे हटाए गए, लाखों का हर्जाना वसूला

मोदीनगर, करंट क्राइम। स्थानीय न्यायालय के आदेश पर पुलिस प्रशासन ने नगर की दो अलग-अलग कॉलोनियों में अवैध रूप से कब्जा किए गए मकानों को खाली कराया है।

पहला मामला, मैसर्स हरियाणा डिस्टलरी लि० ने सतीश पार्क स्थित मकान नं० 60 (भूतल) को खाली कराने हेतु वाद दायर किया था। न्यायालय ने कंपनी के पक्ष में फैसला सुनाते हुए विपक्षी पर जनवरी 2019 से 10,000 रुपए प्रतिमाह का हजार्ना लगाया। आदेश के अनुपालन में पुलिस अमीन ने 8,20,866 रुपए की रिकवरी हेतु सामान कुर्क कर मकान का कब्जा कंपनी को सौंप दिया।

दूसरा मामला, मुल्तानीमल मोदी डिग्री कॉलेज सोसाइटी ने प्रोफेसर कॉलोनी स्थित मकान नं० 34 को खाली कराया। यह मकान प्रवीन उर्फ बिट्टू को अस्थायी तौर पर रहने के लिए दिया गया था, जिसे उसने खाली नहीं किया। न्यायालय ने दिसंबर 2011 से 5,000 रुपए प्रतिमाह हजार्ने का आदेश दिया था। 4 फरवरी को न्यायालय के अमीन ने पुलिस बल के साथ ताला तोड़कर कब्जा सोसाइटी के सुपुर्द किया ाया।

- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** राम जी के मन में निवास करने वाले मैम्बर साहब की दरिया दिली इन दिनों चल रही है खास? सुना है कोई भी दूसरा कान्ट्रेक्टर फटक नहीं सकता उनके मौहल्ले के आस-पास? उनका हृदय है अपने खास चेहरे के लिए ही विशाल? ये चेहरा ही उनके वार्ड के विकास को रहा है संभाल? कहने वाले ने कहा इस पर मैम्बर साहब की कृपा है इतनी? इसके अलावा ये नहीं रख रहे हैं किसी दूसरे का ख्याल?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** नदिया पार के मैम्बर हसबैंड शर्मा जी के पास हैं यूं तो प्रकोष्ठ वाली भी जिम्मेदारी? मगर वो इस जिम्मेदारी पर महानगर की कार्य समिति सदस्य वाली जिम्मेदारी को मानते हैं भारी? सुना है ये कर रहे हैं इस बार पूरी तरह से योद्धा की टीम के समिति वाले सदस्य होने का प्रयास? रख चुके हैं शर्मा जी कई स्थानों पर अपने दिल की बात? ये कर रहे हैं अपने शब्दों से कुछ ऐसा ही टैग? बोल रहे हैं सदस्य बनने में ज्यादा है स्वैग?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** हम आपको बता रहे हैं उनके मन में घुस कर अंदर की बात? आप गौर करोगे तो नदिया पार के कुल में दीप जलाने वाले मिस्टर कसाना, चौधरी साहब के आशीष से चलने वाले युवा नेता, राजनीति के तीर साधने वाले मिस्टर सुधीर, रोड़ा वाले एरिया के मिस्टर भाटी और येढ़ा बनकर पेड़ा खाने वालों ने लगा दिया है बैक गियर? आजकल वो नजर नहीं आ रहे हैं कार्यालय के नियर? अब तो ये ही बता सकते हैं इन दूरियों की बात? बैक गियर तभी लगाया जाता है? जब सामने नहीं दिख रहे होते रेस देने के हालात?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** हम पहलवान जी की मेहनत पर रहते हैं कुर्बान? वो अपनी सक्रियता से खींच लेते हैं दुश्मनों का भी ध्यान? मगर कभी कभी वो अपनी फेसबुक पर डाली गई पोस्ट के शब्दों पर नहीं देते हैं ध्यान? हमने जब देखी उनकी दाती जी महाराज वाली पोस्ट? तब उस पर गया हमारा ध्यान? उन्होंने लिखा हुआ था, गर्व से क्यों हम हिंदू हैं? 'हम क्यों हिंदू हैं' इन शब्दों को हम समझ नहीं पाये श्रीमान? अब इस बारे में तो बेहतर बता सकते हैं पहलवान?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** यूं ही नहीं चमका है चार महान हंस्तियों का मामला? सुना है इनमें से एक महान ने संभाली थी ऊपर शिकायत की कमान? इसमें उन्होंने पूरे सुख के साथ मैडम को भी शामिल किया था श्रीमान? बताया था ऊपर वालों को वो दे नहीं रहे हैं उनको काम? इसके बाद कुछ ऐसा हुआ कि अग्रवाल जी के माध्यम से फिर सबको 6 बजे मौजूद रहने का भेजा गया पैगाम? फिर हुई बैठक और मिले सभी को काम?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** इन दिनों संगठन के सिरमोर से भगवागढ़ में काम की तलाश करने वाले त्यागी जी के नहीं ठीक बैठ रहे हैं अंदाज? सुना है जो पब्लिश हुई थी नेगेटिव वाली खबर? उसे तुरंत एफबी पर दिया था उन्होंने दाग? सुना है एक महान त्यागी जी ने इन त्यागी जी से फ्रंट फुट पर इस तरह से खेलने का पूछा था उनसे कारण? तब वो बोले जब कोई पूछेगा नहीं तो ऐसे उठा-पटक करके हम अपनी मौजूदगी का एहसास करायेंगे? इसके अलावा भी हैं हमारे पास उदाहरण?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** सुना है मैडम जी का उस वक्त खून खौला? जब उनके मौहल्ले वाली ही मैडम ने उनको पूर्व बताकर बोला? सुना है कार्यक्रम समापन के बाद रखा भगवा मैडम ने अपना रूद्र अंदाज? कहा आपको पता है कि हमारे पास प्रान्तीय वाली जिम्मेदारी है? आप हमको पूर्व बोलकर क्यों उड़ा रहे हो हमारा उपहास? सुना है मौहल्ले की पड़ोसन के शब्द सुनकर लेडी सिंह भी थी हैरान? वैसे ये भी सच है कि कोई इन वाली मैडम की ज्यादा राय नहीं लेता? मैडम सिंह को दिये जाते हैं बहुत सारे आयाम?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** भगवा जग्गी को नहीं था इस बात का एहसास? जब वो जायेगा भगवा योद्धा के पास? तो उसको मिलेगा इतना ज्यादा भाव? एक ही मुलाकात में बदल गई सारी तस्वीर? जग्गी ने मान लिया योद्धा को नजीर? कहा मेरी तो मुलाकात के बाद गलतफहमी हो गई दूर? जो काम कोई और नहीं कर पा रहा था? उन्होंने एक झटके में कर दिया हुजूर? इधर मैंने बात रखी, उधर मिला दिया उन्होंने अधिकारी को फोन? आप ही बताओ इस दर्द-ए-दुनिया में ऐसा करता है कौन?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** जब से चार भगवा महानों को मिली है ताकत? तब से कहने वाले कह रहे हैं कि अब बॉबी की चाबी खोने का आ गया है टाईम? अब तक तो उन्होंने खूब हर आयाम को लेकर मौज कर ली? अब ये चारों दिल जले इनका मामला नहीं होने देंगे फाईन? चारों अब इनके हर डिसीजन में डालेंगे दखल? ये महान ना बन जायें बस इसी पर लगायेंगे सब अपनी अकल?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** जो भी हो ये महान कितने ही पॉवरफुल हो जायें? चाबी खोने वाले त्यागी जी का जलवा है पूरी गुंजन के साथ पूरी तरह बरकरार? सुना है दो अभियान पार्टी के आये हैं? इन दोनों अभियानों का इनको सौंप दिया है सौंपने वाले ने प्रभार? दे दिया है देने वालों को यही संदेश? यही दोनों संयोजक और यही बनेंगे सहसंयोजक? भले ही कितना जोर लगायें आप सबका फेस?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

भोपुरा स्थित नगर निगम स्कूल में छात्राओं के लिए एआई डिजिटल लैब का शुभारंभ

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक बोले—आधुनिक युग में छात्राओं का हाईटेक होना बेहद जरूरी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा भोपुरा कुटी स्थित नगर निगम के विद्यालय शहीद विजय सिंह पथिक सरस्वती विद्या मंदिर में छात्राओं के लिए एआई एवं डिजिटल लैब का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर नगर आयुक्त ने रिबन काटकर लैब का उद्घाटन किया और छात्राओं को आधुनिक तकनीक से जुड़कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। नगर निगम स्कूल कुटी, भोपुरा में वर्तमान में 238 छात्राएं अध्ययनरत हैं। छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए अडामा इंडिया लिमिटेड द्वारा सीएसआर के अंतर्गत इस आधुनिक लैब का निर्माण कराया गया है। लैब में बड़ी एलईडी स्क्रीन, 20 कंप्यूटर, इंटरनेट सुविधा, कुर्सियां व अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे छात्राएं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल शिक्षा से जुड़ सकेंगी। कार्यक्रम के दौरान नगर आयुक्त ने दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया और कहा कि आज के युग में छात्राओं का तकनीकी रूप से सशक्त होना बेहद आवश्यक है। उन्होंने विद्यालय की प्रधानाचार्या को निर्देश दिए कि स्कूल में नियमित रूप से कंप्यूटर क्लासेस संचालित की जाएं। साथ ही उन्होंने अध्यापिकाओं को भी हाईटेक शिक्षण पद्धति अपनाने एवं ए.आई. व डिजिटल लैब के माध्यम से अपने शिक्षण कौशल को और बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया।

> नगर निगम की छात्राएं न केवल शिक्षा बल्कि खेल जगत में भी जिले और प्रदेश का नाम रोशन कर रही हैं।
> विक्रमादित्य सिंह मलिक, नगर आयुक्त

कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा वेस्ट से बेस्ट अभियान के तहत तैयार किया गया आकर्षक सेल्फी प्वाइंट भी विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। टूटी हुई बेंचों और बेकार सामग्री से बनाए गए इस सेल्फी प्वाइंट को देखकर नगर आयुक्त ने छात्राओं की रचनात्मकता, कला और नवाचार की खुलकर प्रशंसा की तथा उन्हें कंप्यूटर और डिजिटल माध्यम से कला के क्षेत्र में और आगे बढ़ने के लिए उत्साहित किया।

नगर आयुक्त ने जानकारी दी कि गाजियाबाद नगर निगम के अन्य स्कूलों में भी इसी प्रकार की आधुनिक लैब छात्राओं के लिए प्रारंभ की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि नगर निगम की छात्राएं न केवल शिक्षा बल्कि खेल जगत में भी जिले और प्रदेश का नाम रोशन कर रही हैं। इस अवसर पर उन्होंने छात्राओं से स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने और अपने अभिभावकों व आसपास के लोगों को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में नगर आयुक्त द्वारा विद्यालय परिसर का निरीक्षण किया गया, जिसमें उन्होंने बैठने की व्यवस्था, पेयजल, शौचालय और ओपन जिम की सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने स्कूल प्रबंधन की व्यवस्थाओं की सराहना की। इस अवसर पर प्रधानाचार्या सीमा श्रीवास्तव, अडामा इंडिया लिमिटेड से नवाब सिंह पवार, सूरज शर्मा, आर.बी. मलिक, अमित, सहयोगी एनजीओ निर्माण ऑर्गेनाइजेशन की टीम, पार्षद ओमपाल सिंह, अध्यापिकाएं, छात्राएं, अभिभावक एवं क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे। नगर आयुक्त ने सभी उपस्थितजनों का आभार व्यक्त करते हुए विशेष रूप से सीएसआर के माध्यम से सहयोग देने वाली कंपनी का धन्यवाद किया।

कनावनी में डंपिंग ग्राउंड पर भड़की भाकियु

प्रशासन को दी बड़े आंदोलन की चेतावनी

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। गांव कनावनी में बने वाले डंपिंग ग्राउंड की समस्या अब तूल पकड़ने लगी है। सोमवार को भारतीय किसान यूनियन (भानु) के राष्ट्रीय अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह कनावनी पहुँचे, जहाँ उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को सुनने के बाद जिला प्रशासन के खिलाफ कड़ा रुख अख्तियार किया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में जिलाधिकारी और पुलिस कमिश्नर को चेतावनी दी कि यदि डंपिंग ग्राउंड को जल्द शिफ्ट नहीं किया गया, तो संगठन बड़ा आंदोलन शुरू करेगा। सभा को संबोधित करते हुए भानु प्रताप सिंह ने कहा कि कनावनी में डंपिंग ग्राउंड का दायरा लगातार बढ़ रहा है, जिससे न केवल पर्यावरण दूषित हो रहा है बल्कि ग्रामीणों का जीना भी दूभर हो गया है। उन्होंने कहा, प्रशासन सो रहा है और यहाँ की जनता बीमारी के साये में जीने को मजबूर है। हम ग्रामीणों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। कार्यक्रम के दौरान भानु प्रताप सिंह ने संगठन के विस्तार पर भी जोर दिया। किसान संघर्ष समिति के अध्यक्ष सतीश नागर के नेतृत्व में ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं रखीं। बैठक में गाँव के विकास कार्यों और मूलभूत सुविधाओं के अभाव पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर मुख्य रूप से सतीश नागर, श्रीचंद नागर, कैलाश नागर, प्रकाश नागर, संजीत नागर, ऋषि प्रधान, हेमचंद नागर, श्रीपाल नागर, रामवीर नागर, ईश्वर नागर, फतह सिंह नागर, अंकित नागर और प्रीतम बंसल आदि लोग मौजूद रहे।

मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान के तहत कांग्रेस 13 फरवरी को निकलेगी 15 किलोमीटर की पदयात्रा

गाजियाबाद करंट क्राइम। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से 13 फरवरी को मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान के तहत 15 किलोमीटर पदयात्रा निकाली जाएगी। जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा ने बताया कि मुरादनगर ब्लॉक के मोदीनगर से यह पदयात्रा प्रारंभ होगी। पदयात्रा में सभी विधानसभा क्षेत्र के हजारों कार्यकर्ता शामिल होंगे। यह पदयात्रा ग्राम अबूपुर ब्लॉक मोदीनगर से शुरू होकर तहसील मोदीनगर में समाप्त होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर सभी जिलों में मनरेगा बचाव संग्राम अभियान के तहत पदयात्रा निकाली जाएगी।

पदयात्रा के दौरान लोगों को केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा में किए गए बदलाव और महात्मा गांधी के नाम को हटाने की जानकारी दी जाएगी। जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा ने कहा कि केंद्र के मोदी सरकार ने साजिश के तहत मनरेगा योजना को बदल दिया है। इस योजना के तहत गरीब मजदूरों को 100 दिनों के काम की गारंटी मिलती थी। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह ने मनरेगा योजना की शुरूआत की थी। कांग्रेस शासन में इस योजना के तहत देश के करोड़ों मजदूर को रोजगार गारंटी उपलब्ध कराई गई थी। लेकिन बीजेपी की सरकार ने साजिश के तहत इसके इसमें बदलाव किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की मंशा मजदूरों को रोजगार गारंटी देने की नहीं है। यह सरकार सिर्फ पूंजीपतियों के लाभ के लिए योजनाएं बनाती है।

मनरेगा योजना में किए गए बदलाव की जानकारी लोगों को दी जाएगी। आगामी विधानसभा चुनाव में यह एक बड़ा मुद्दा होगा। उन्होंने कहा कि ग्राम अबूपुर से शुरू होकर यह पदयात्रा ग्राम शहजादपुर, ग्राम डिडौली, ग्राम फिरोजपुर, गांव डबाना, ग्राम उजैडा, ग्राम सौदा, ग्राम फतेहपुर सिखेड़ा होते हुए मोदीनगर तहसील पहुंचेगी। इस दौरान विभिन्न गांव में चौपाल का आयोजन किया जाएगा। साथ ही नुक्कड़ सभा में लोगों को केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा में किए गए बदलाव की जानकारी दी जाएगी। मनरेगा के अधिकारों को लेकर जन जागरण अभियान भी चलाया जाएगा। कांग्रेस किसी भी सूरत में मनरेगा योजना को खत्म करने की साजिश को सफल नहीं होने देगी। मनरेगा मजदूरों के अधिकार का कानून है। उन्होंने कहा कि सरकार मजदूरों के हक को खत्म करने पर तुली हुई है। काम दो सम्मान दो, के नारे के साथ हजारों की संख्या में कार्यकर्ता शामिल होंगे। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय बनारस में मनरेगा पदयात्रा का नेतृत्व करेंगे। गाजियाबाद में पदयात्रा का नेतृत्व जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा करेंगे। इसके अलावा प्रदेश के सभी नेता अलग-अलग जिलों में पदयात्रा में शामिल होंगे।

रिटायर फौजी के खाते से किसी ने तीन बार में तीन लाख का किया लेनदेन, बैंक मैनेजर ने दी सूचना

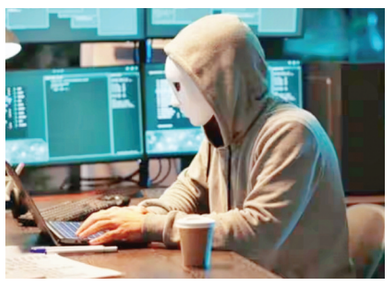

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद के वेव सिटी क्षेत्रांतर्गत बैंक मैनेजर ने रिटायर फौजी को फोन करके सूचना दी कि तुम्हारे खाते से तीन बार में लगभग 3 लाख रुपये का लेनदेन किया गया है, पीड़ित ने अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

वेव सिटी के मानसरोवर पार्क कॉलोनी निवासी अतुल कुमार राघव ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वे भारतीय फौज से रिटायर हैं और उनका इंडसइंड बैंक की छपरौला ब्रांच में 15 वर्ष पुराना खाता है, उन्होंने बताया कि 5 फरवरी की सुबह लगभग 10 सवा दस बजे उनके पास बैंक मैनेजर ने फोन करके बताया कि आपके खाते से एक ही दिन 5 फरवरी को तीन ट्रांजैक्शन हुए, जिसमें पहली बार 90 हजार, दूसरी बार 67172 तथा तीसरी 1 लाख 41728 रुपये की लेनदेन की गई है। पीड़ित के अनुसार, उन्हें इन तीनों ट्रांजैक्शन की कोई जानकारी नहीं है।

अतुल कुमार राघव ने अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि पीड़ित को दी गई तहरीर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ सूचना प्रौधोगिकी अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई है, जांच-पड़ताल के बाद वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः

॥ शोक-सूचना ॥

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि, नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो, न शोषयति मारुतः॥
(भगवद्गीता 2.23)

अर्थ (संक्षेप में)
आत्मा को न शस्त्र काट सकते हैं, न अग्नि जला सकती है,
न जल भिगो सकता है, और न ही वायु सुखा सकती है।

मान्यवर,
अत्यन्त दुःख एवं विषाद के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे कुल के ज्येष्ठ,
परिवार के संरक्षक एवं पथप्रदर्शक, धर्मनिष्ठ, कर्मठ, वरिष्ठ बैंक यूनियन नेता तथा समाजसेवा को समर्पित महापुरुष

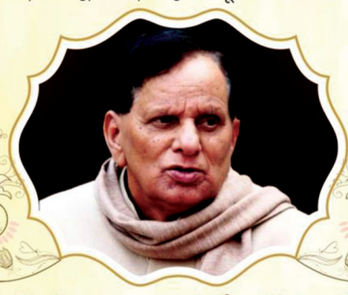

स्व.श्री शीतला प्रसाद सिंह जी (जमींदार)
(30 मार्च 1946 - 31 जनवरी 2026)

दिनांक 31 जनवरी 2026 (शनिवार) को ईश्वर की इच्छा से पंचतत्त्व में विलीन होकर
प्रभु के श्रीचरणों में समाहित हो गए।

उनका सम्पूर्ण जीवनकर्तव्य, सत्य, सेवा एवं परोपकार के आदर्शों पर आधारित रहा।
उनका स्नेह, अनुशासन एवं आशीर्वाद हम सभी के लिए जीवनपथ का आलोकस्तम्भ रहेगा।

दिवंगत पुण्यात्मा की शान्ति, सद्गति एवं आत्मिक कल्याण हेतु दशगात्र, तेरहवीं संस्कार एवं ब्राह्मण भोज
निम्नलिखित तिथि, समय एवं स्थान पर आयोजित किया जा रहा है-

दशगात्र (दसवाँ संस्कार):
दिनांक : 10 फ़रवरी 2026 (मंगलवार)

तेरहवीं संस्कार एवं ब्राह्मण भोज:
दिनांक : 13 फ़रवरी 2026 (शुक्रवार)
समय : सायं 4:00 बजे से यथावसर

स्थान : विशेन निवास
ग्राम - छताई कला, तहसील - शाहगंज, जिला - जौनपुर
(शाहगंज तहसील से लगभग 1.5 किलोमीटर, कोड़िया मोड़ के समीप)

आपसे सादर एवं करबद्ध प्रार्थना है कि उक्त शोकावसर पर अपनी पावन उपस्थिति प्रदान कर
दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित करें तथा शोकाकुल परिजनों को धैर्य एवं संबल प्रदान करें।

प्रार्थी
श्रीमती मनोरमा सिंह
सत्येन्द्र सिंह - बबीता सिंह, नीतेन्द्र सिंह - दीपमाला सिंह, अपर्णा सिंह - संदीप सिंह
अंशुमान सिंह, कार्तिकेय सिंह, नरोत्तम सिंह, संकल्प सिंह

प्रतिष्ठान
इंडियन कौंसिल ऑफ़ इंडस्ट्रियल मैनेजमेंट | लीगल इन्फ़ोसॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड | तक्षक मैनेजमेंट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
यूथ इंडिया न्यूज़ | उत्थान समिति

चिन्टू जी

अतुल गर्ग (सांसद) - वेद प्रकाश जी समाज को आज आप जैसे विचारवान भाइयों की काफी आवश्यकता है। जब मैं भागदौड़ कर रहा हूँ तो आपको बेमतलब में थकने की क्या जरूरत है। जग में सुंदर है दो नाम, चाहे कृष्ण कहो या राम।

वेद प्रकाश गर्ग (भाजपा नेता) - डियर चिंटू। तुम बड़े तो हो गए हो। लेकिन तुम आज भी वर्ष 2020 वाले ही बालक चिंटू हो। गर्ग नाम बड़ा हो रहा है ना। बस मेरे लिए ये ही काफी है। चाहे वो अतुल गर्ग हों या वेदप्रकाश गर्ग।

चिंटू जी : खादी के आदी मिस्टर वेद प्रकाश गर्ग जी। आपको पता है गर्ग साहब के साथ वाला आपका ये फोटो वर्ष 2020 में सुबह 11:57 पर स्नातक एमएलसी चुनाव के दौरान राजनगर के पोलिंग सेंटर पर खींचा गया था। तब गर्ग साहब प्रदेश सरकार में मंत्री और आज गाज़ियाबाद लोकसभा के सांसद है। मैं भी आपकी गोदी से निकलकर बड़ा हो गया हूँ। आप कब तक बस ऐसे ही मुस्कुराते रहोगे।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।